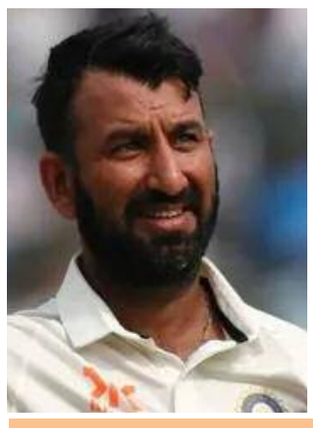

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

चेतेश्वर पुजारा को संन्यास पर भारतीय क्रिकेटरों ने दी बधाई, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे -पेजः 7

जानती हूं ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ती है : श्रुति हासन -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 136 | सोमवार 25 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अररिया पहुंचकर मोदी सरकार पर जमकर बरसे राहुल गांधी, चुनाव आयोग को बताया 'चुनावी चूक'

अररिया (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान बिहार के पूर्णिया से अररिया पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार 'वोट चोरी' का प्रयास कर रही है। भाजपा सरकार पर राहुल का तीखा हमला अररिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से गरीबों के वोट चुराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इस प्रक्रिया को चुनाव आयोग के समर्थन से 'वोट चुराने का एक संस्थागत तरीका' बताया। गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी सरकार... सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का निजीकरण करने के बाद... अब चुनाव आयोग की मदद से रक्फ़के जरिए गरीबों के वोट चुराना चाहती है।' चुनाव आयोग पर कटाक्ष उन्होंने कटाक्ष करते हुए चुनाव आयोग को 'चुनावी चूक' बताया। उन्होंने दावा किया कि यह कदम असंवैधानिक है और इसका मकसद बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले समाज के वंचित वर्गों को वोट देने के अधिकार से वंचित करना है। राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार में ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है और यह कदम पूरी तरह से संविधान-विरोधी है। उन्होंने चेतावनी दी कि बिहार की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को करारा जवाब देगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं और देश का पैसा कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के हाथों में दे दिया है। उन्होंने कहा कि अब वो आपका वोट चोरी कर रहे हैं, आपका अधिकार छीन रहे हैं। उन्होंने बिहार की बेरोजगारी और गरीबी का जिक्र करते हुए कहा कि लोग काम की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी 'वोटर अधिकार यात्रा' बहुत सफल रही है क्योंकि बिहार की जनता 'वोट चोरी' की बात से सहमत है और उनसे जुड़ रही है। राहुल ने स्पष्ट किया कि उनका पूरा ध्यान चुनाव आयोग के इस रवैये को बदलने पर है और उन्होंने बिहार में चुनाव की चोरी नहीं होने देने का संकल्प लिया।

राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान अररिया में मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा, आरोप लगाया कि बेरोजगारी के बाद अब 'वोट चोरी' से जनता के अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग को 'चुनावी चूक' बताते हुए बिहार की जनता से संविधान बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

'मैं तो पहले से ही शर्मिला था, अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला ने सुनाई बचपन की यादें; बताया कैसे पूरा किया सपना

नई दिल्ली (एजेंसी): कुछ दिनों पहले अंतरिक्ष की यात्रा करके लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अपने बचपन की बातों को लेकर काफी कुछ बताया है। उन्होंने बताया कि बचपन में वो बहुत शांत थे और उन्होंने कभी भी नहीं सोचा था कि वे एक दिन अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। हाल ही में शुभांशु ने इंटरनेशनल स्पेस स्टोशन की यात्रा की है और उन्होंने भारतीयों के लिए एक नई मिसाल कायम की है। दिल्ली में वायुसेना के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, "मैं बचपन से ही बहुत शर्मिला और चुप रहने वाला बच्चा था। बचपन में हम राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा की कहानियां सुना करते थे, लेकिन कभी सोचा नहीं था कि मैं भी ऐसा कर पाऊंगा।" उन्होंने बताया कि स्पेस में जाने का सपना उनके अंदर देर से आया, लेकिन मेहनत और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा दिया। बता दें, शुभांशु शुक्ला हाल ही में पूरी हुई अ७ड्डे-4 मिशन टीम का हिस्सा रहे। इस मिशन के जरिए वे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन तक पहुंचे और वहां वैज्ञानिक गतिविधियों में योगदान दिया। इस तरह वे क्रर तक जाने वाले पहले भारतीय बन गए।

कटनी खनन सम्मेलन में मध्यप्रदेश को मिले 56,414 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव: मुख्यमंत्री यादव

भोपाल (एजेंसी): मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य के कटनी जिले में आयोजित खनन सम्मेलन 2.0 के दौरान राज्य को आठ खनन कंपनियों से 56,414 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। उन्होंने शनिवार को सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश खनिज संसाधनों के मामले में कभी पीछे नहीं रहा और अब देश के खनन राज्य के रूप में खुद को विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से राज्य में उद्योग स्थापित करने का आग्रह किया और सरकार की ओर से उन्हें पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यादव ने कहा कि सम्मेलन देश भर के उद्योगपतियों की मध्यप्रदेश में बढ़ती रुचि को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रस्ताव राज्य को खनन क्षेत्र में और प्रगति करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, प्रसंस्करण और विकास के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। खनन क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन और रिमोट सेंसिंग के उपयोग के लिए टेक्समिन आईएसएम, धनबाद के साथ एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने खनिज अन्वेषण अनुसंधान के लिए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईसर), भोपाल के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यादव ने कहा कि कटनी खनिज भंडारों से समृद्ध है और महत्वपूर्ण खनिजों की भी खोज हो रही है। पन्ना में हीरे के भंडार हैं और कटनी में सोने की भी संभावना है। राज्य ने सभी क्षेत्रों के विकास के लिए पारदर्शी नीतियों को लागू किया है। महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देने के लिए श्रम कानूनों में संशोधन किया गया है। अन्य राज्य मध्यप्रदेश की नीतियों से सीख रहे हैं और सरकार राज्य को देश में नंबर एक बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने व्यापार सुगमता के लिए 29 प्रकार की अनुमतियों को घटाकर केवल 10 कर दिया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 27 अगस्त को उज्जैन में एक आध्यात्मिक सम्मेलन और 31 अगस्त को ग्वालियर में एक पर्यटन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

'पीएम मोदी ने खुद को भी नहीं दी छूट', मंत्रियों को बर्खास्त करने वाले बिल पर रिजिजू का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के लिए किसी भी अपवाद को देने के लिए सहमत नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया, "प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट को स्पष्ट किया कि इस विधेयक में प्रधानमंत्री को बाहर रखने की सिफारिश की गई थी, लेकिन उन्होंने उस पर सहमति नहीं जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री को कोई अपवाद देने से इनकार कर दिया।" रिजिजू ने आगे कहा, "प्रधानमंत्री भी एक नागरिक हैं और उन्हें विशेष सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। हमारी पार्टी के अधिकांश मुख्यमंत्री हैं, अगर वे कोई गलती करते हैं तो उन्हें अपना पद छोड़ना होगा। नैतिकता का भी कुछ महत्व होना चाहिए। यदि विपक्ष ने नैतिकता को केंद्र में रखा होता, तो वे इस विधेयक का स्वागत करते।" गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ़्तार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी तीन विधेयक पेश किए। इन विधेयकों के पेश होने पर विपक्षी सांसदों ने तीखा विरोध जताया, मसौदा कानून की प्रतियां फाड़ दीं और नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंच गए। केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक 2025 संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक 2025 जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 इन विधेयकों में प्रस्तावित है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री या मुख्यमंत्री को पाँच साल की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ़्तार रखा जाता है, तो 31वें दिन से उनका पद स्वतः समाप्त माना जाएगा।

दस साल से हो रही थी मतों की चोरी, निर्वाचन आयोग को करनी चाहिए थी जांच: राज ठाकरे

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह 2016 से ही वोट चोरी की बात कर रहे हैं और जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भाजपा के अनुराग ठाकुर ने मतदाता सूची में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, तब निर्वाचन आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए थी। नगर निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के स्थानीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से मतदाता सूचियों की सावधानीपूर्वक जांच करने को कहा। राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर द्वारा मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा, जब विपक्ष के साथ-साथ सरकार के सदस्य भी संदेह जता रहे हैं, तो निर्वाचन आयोग को उसकी जांच करनी चाहिए, लेकिन वह मामले को दबाना पसंद कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि उसे डर है कि पिछले 10 वर्षों की वोट चोरी उजागर हो जाएगी। उन्होंने कहा, वे इतने वर्षों तक वोट चुराकर सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किस राजनीतिक दल की बात कर रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा, पिछले दस सालों से वोटों की चोरी हो रही है। मैं 2016 से इसके बारे में बोल रहा हूं। मैंने शरद पवार, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी सदस्यों से भी मुलाकात की। वर्ष 2017 में, मैंने चुनावों का बहिष्कार करने का सुझाव दिया था।

चुनाव आयोग अब गोदी आयोग बन गया है, बिहार के अररिया में तेजस्वी यादव का बीजेपी पर हमला

बिहार (एजेंसी): कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने बिहार के अररिया में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय जनता पार्टी, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए। दोनों नेताओं ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए उसे 'गोदी आयोग' करार दिया। चुनाव आयोग पर उठाए सवाल तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब चुनाव आयोग नहीं रहा, बल्कि गोदी आयोग, भाजपा की एक इकाई बन गया है। उन्होंने कहा कि वे और राहुल गांधी लोकतंत्र और वोट के अधिकार को बचाने के लिए इस यात्रा (वोटर अधिकार यात्रा) पर निकले हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि जमीनी स्तर पर उनकी यात्रा के बाद यह साफ हो गया है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो चुकी है। राहुल गांधी ने भी चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कर्नाटक में चुनाव आयोग के सामने फर्जी वोटरों का डेटा रखा था, जिसका जवाब आज तक नहीं मिला। राहुल ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, तो चुनाव आयोग ने उनसे एफिडेविट मांगा, जबकि अनुराग ठाकुर ने उसी तरह की प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पर उनसे कोई एफिडेविट नहीं मांगा गया। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि चुनाव आयोग किसके साथ खड़ा है। उन्होंने बिहार में 'वोट चोरी' की बात करते हुए कहा कि विपक्ष शिकायत कर रहा है, लेकिन बीजेपी और चुनाव आयोग की 'साझेदारी' है, इसलिए बीजेपी कुछ नहीं कह रही है। तेजस्वी ने चिराग पासवान पर साधा निशाना तेजस्वी यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर तंज कसते हुए कहा कि वे एक व्यक्ति विशेष के हनुमान हैं। इसके जवाब में, राहुल गांधी ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह बात मुझ पर भी लागू होती है। वोट चोरी पर राहुल ने क्या कहा? राहुल गांधी ने विपक्षी दलों की एकता पर जोर देते हुए कहा कि हमारे बीच एक बहुत अच्छी साझेदारी बनी है, हम सभी दल एक साथ काम कर रहे हैं, कोई तनाव नहीं है, आपसी सम्मान है, वैचारिक और राजनीतिक रूप से हम एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि इससे 'बहुत अच्छे परिणाम होंगे, लेकिन वोट चोरी को रोकना होगा। तेजस्वी यादव ने प्रक्रिया की जटिलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वोट जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में स्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी के साथ है, यही वजह है कि बीजेपी ने कमिश्नर को बचाने के लिए संसद में कानून लाकर उन पर कोई कार्रवाई या मुकदमा न हो सके। उन्होंने कहा कि अब बात जनता तक पहुंच गई है और जनता उन्हें नहीं छोड़ेगी।

'वोट चोरी नहीं होती तो हरियाणा में बनती कांग्रेस की सरकार', चुनाव नतीजों पर फिर बवाल; अब विपक्ष निकालेगी पैदल मार्च

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन आक्रामक तेवर दिखाने वाली कांग्रेस सोमवार को केंद्रीय व राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ पैदल मार्च निकालेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा नई दिल्ली में केंद्रीय चुनाव आयोग के विरुद्ध प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बाद पूरे देश में वोटों की चोरी के आरोपों पर वाद-विवाद चल रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि हरियाणा में आठ सीटें कांग्रेस 22 हजार 779 मतों के अंतर से हारी है। राहुल गांधी का आरोप था कि वोटों की चोरी नहीं हुई होती तो कांग्रेस यह सीटें जीतती और राज्य में उसकी सरकार बनती। राहुल गांधी की इन दलीलों को खारिज करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से कहा जा चुका है कि वोटों की चोरी सिर्फ हार को छिपाने का बहाना है। भाजपा भी सात विधानसभा सीटें सिर्फ साढ़े 12 हजार मतों के अंतर से हारी है। यदि वोटों की चोरी हुई होती तो भाजपा यह सात सीटें इतने मामूली अंतर से क्यों हारती। इन्हीं आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस ने सोमवार को विधानसभा तक पैदल मार्च करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस के इस पैदल मार्च को लेकर चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कांग्रेस के पैदल मार्च का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान करेंगे, जिसमें कांग्रेस के सभी विधायक शामिल होंगे। यह पैदल मार्च हाईकोर्ट चौक से आरंभ होकर विधानसभा परिसर तक ले जाने की योजना है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां कांग्रेस विधायकों को आंदोलन की शक्ल में विधानसभा परिसर तक पहुंचने देंगी, इसकी संभावना बहुत कम नजर आ रही है। हरियाणा में नौ सीटें राई, खरखौदा, दादरी, उचाना, डबवाली, असंध, अटेली, होडल और महेंद्रगढ़ में कांग्रेस 23 हजार 441 मतों के अंतर से हारी। सात विधानसभा सीटें लोहारू, आदमपुर, पंचकूला, सढ़ोरा, रोहतक, थानेसर और फतेहाबाद में भाजपा 12 हजार 614 मतों के अंतर से चुनाव हारी। भाजपा ने अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव के दौरान 55 लाख वोट हासिल कर 48 विधानसभा सीटें जीती थी, जबकि कांग्रेस ने 54 लाख वोट प्राप्त करते हुए 37 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस के मुताबिक उचाना कलां, चरखी दादरी, होडल, सफीदो, घरौंडा, असंध, राई और खरखौदा विधानसभा सीटों में कांग्रेस छह-छह हजार से भी कम वोटों से चुनाव हारी। उचाना कलां विधानसभा सीट पर कांग्रेस की हार सिर्फ 32 वोटों से हुई है, जहां से हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह चुनाव लड़े थे। बृजेंद्र सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं। उन्होंने बैलेट पेपर के मतों की दोबारा गिनती के लिए हाईकोर्ट में केस दायर कर रखा है। भाजपा सात सीटें लोहारू, आदमपुर, रोहतक, सढ़ोरा, पंचकूला, फतेहाबाद और थानेसर साढ़े तीन-तीन हजार से भी कम वोटों से हारी है, जिससे कांग्रेस के वोटों की हेराफेरी के आरोपों को खारिज करने में मदद मिल रही है। 12 विधानसभा सीटों पर जीत-हार का अंतर 4,623 वोट से कम हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने आंकड़ों के साथ कांग्रेस के आरोपों को चुनौती दी है।

हरियाणा कांग्रेस आज चुनाव आयोग के खिलाफ पैदल मार्च करेगी। राहुल गांधी ने वोटों की चोरी का आरोप लगाया है जिसे बीजेपी ने खारिज किया है। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उदयभान मार्च का नेतृत्व करेंगे।

संपादकीय

फरियादी का हमला

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को सुबह सिविल लाइंस स्थित उनके कार्यालय पर आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा हमले के पश्चात सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा कर जेड़ कैटेगरी कर दिया गया है। हमला गंभीर था, और जानलेवा भी हो सकता था। पुलिस ने यह कहा है। हमलावर गुजरात के राजकोट का रहने वाला सकरिया राजेश भाई खिमजी भाई (41) बताया गया है, जिसे मौके पर ही दबोच लिया गया। उसे पुलिस रिमांड़ पर ले लिया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने हमले को 'मुख्यमंत्री की हत्या की साजिश' का हिस्सा बताया है। पता चला है कि आरोपी पर पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं यानी वह आदतन अपराधी है, और कुछ कागजों में अपनी समस्या लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष पेश होने वाले फरियादियों की लाइन

में जा लगा था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर किए गए इस हमले की पक्ष-विपक्ष सभी ने एक स्वर में कड़ी निंदा की है, और मांग की है कि इस मामले की कड़ाईसे जांच की जाए ताकि इस साजिश का खुलासा हो सके। बहरहाल, मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इस घटना के अगले ही दिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी नाथ के आवास के बाहर 'जनता दरबार' में पहुंचे एक फरियादी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वह अपने क्षेत्र के विधायक के उत्पीड़न की शिकायत लेकर पहुंचा था। इस प्रकार देखें तो इन दोनों मामलों में फरियादियों का असंतोष उभरा। एक में व्यक्ति ने खुद को मारना चाहा तो दूसरे मामले में आरोपी हत्या करने पर आमादा हो गया। दोनों मामलों में देखें तो हमलावर उग्रपंथी या असंतुष्ट गुट से फिलहाल तो संबंधित नहीं हैं। लेकिन उनमें असंतोष बेहद ज्यादा था। इसलिए जरूरी है कि सत्तारूढ़ सरकारें अपने नागरिकों में नाराजगी या असंतोष के कारणों को तलाशने के भी प्रयास करें। कहीं सत्तारूढ़ विधायक के उत्पीड़न से ग्रस्त फरियादी 'बागी' होने तो तत्पर है, तो दूसरी तरफ 'न्याय' मिलने से निराश व्यक्ति मुख्यमंत्री पर ही हमला कर बैठता है। सत्ताधारियों को बेहद संजीदगी से उन हालात को साजगार बनाना चाहिए जो असंतोष के कारण बनते हैं, और पीड़ित विवेक खो बैठता है। बहरहाल, दोनों मामलों की अच्छे से पूछताछ करके न्यायोचित कार्रवाई किया जाना अभीष्ट है।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मयार्दा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है। भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारूरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मयार्दा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बबार्दी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

भारत और चीनः क्या गुल खिलाएगा संवाद

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, एशिया की दो सबसे बड़ी शक्तियां, न केवल भौगोलिक रूप से एक-दूसरे की पड़ोसी हैं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इतिहास गवाह है कि इन दोनों देशों के रिश्ते समय-समय पर उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। कभी रिश्ते मित्रता और सहयोग के स्वरूप में दिखे तो कभी सीमा विवाद और तनाव ने इन्हें गहरी खाई में धकेल दिया। हाल के वर्षों में जहां लद्दाख में झड़पों और सीमा पर तनाव ने दोनों के संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया था, वहीं अब पुनः संवाद और सहयोग की संभावनाएं उभरती दिखाई दे रही हैं।

वांग यी की भारत यात्रा, उच्चस्तरीय वाताओं की पुनः शुरू आत और कूटनीतिक प्रयासों के कारण प्रतीत हो रहा है कि रिश्तों में नई गरमाहट लौट रही है। परंतु इस गरमाहट के साथझसाथ सतर्कता और विवेक भी उतना ही आवश्यक है। भारतझचीन संबंधों की नींव 1950 के दशक में 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' के नारे के साथ रखी गई थी। परंतु 1962 का युद्ध दोनों देशों के रिश्तों में निर्णायक मोड़ लेकर आया। सीमा विवाद, विशेषकर अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश को लेकर असहमति, आज भी दोनों देशों के बीच मुख्य विवाद का कारण है। उसके बाद से समय-समय पर रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहे। 2017 का डोकलाम संकट और 2020 का गलवान संघर्ष इस अविश्वास की पराकाष्ठा थे। दोनों घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि सीमा विवाद अब भी संबंधों का सबसे बड़ा अवरोधक है।

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद 3,488 किमी. लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़ा है। कई दौर की वाताओं और सैन्य समझौतों के बावजूद समाधान अब तक संभव नहीं हो पाया है। हाल ही में हुई वाताओं में सहमति बनी है कि सीमा विवाद को अलग रखते हुए अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। यह 'टू-ट्रैक मूवमेंट' (दोहरी रणनीति) है, जिसमें सीमा विवाद और द्विपक्षीय संबंध समानांतर रूप से चलेंगे। भारत और चीन के बीच आर्थिक संबंध बेहद जटिल हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023-24 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 136 अरब डॉलर तक जा पहुंचा। लेकिन इसमें असंतुलन स्पष्ट है। भारत जहां चीन से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी, रसायन और दवाओं का कच्चा माल आयात करता है, वहीं उसका निर्यात अपेक्षाकृत बहुत कम है। इस कारण व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत की चिंता यह भी है कि चीन का प्रभुत्व व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारत के बाजार पर हावी होकर आत्मनिर्भरता और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं को चुनौती देता है। हालांकि, भारतीय आईटी, फार्मा और कृषि क्षेत्र में चीन की बढ़ती मांग भारत के लिए अवसर भी प्रस्तुत करती है। सवाल है कि भारत इस असंतुलन को कैसे कम करेगा और आर्थिक संबंधों को संतुलित एवं परस्पर लाभकारी कैसे बनाएगा।

भारत-चीन संबंधों का एक महत्त्वपूर्ण पहलू सुरक्षा और सामरिक हितों से जुड़ा हुआ है। चीन पाकिस्तान के साथ मिल कर 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की घेराबंदी कर रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत की संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौती है क्योंकि इसका मार्ग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। चीन की नौसैनिक गतिविधियां भी हिन्द महासागर और दक्षिण एशिया में भारत की सुरक्षा चिंताओं को और गहरा करती हैं। यही कारण है कि भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिल कर क्वाड समूह को

मजबूत कर रहा है। भारतझचीन संबंध द्विपक्षीय दायरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक सामरिक संतुलन से भी गहराई से जुड़े हैं। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मुलाकातें, चाहे 2019 का महाबलीपुरम शिखर सम्मेलन हो या हाल में वांग यी की यात्रा, दशार्ती हैं कि संवाद ही आगे का रास्ता है।

दोनों देशों ने तय किया है कि सीमा प्रबंधन के तंत्र को मजबूत किया जाए और सैनिक तनाव को कम करने के लिए नियमित वार्ता और हॉटलाइन का इस्तेमाल किया जाए। पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जाए। 'पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट' दोनों के बीच विश्वास बहाली का प्रभावी साधन हो सकता है।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वॉटरशेडः साकार होता विकसित भारत का सपना

जल और मिट्टी संरक्षण से कृषि और किसान समृद्धि की ओर....

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का रास्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है।

आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक (WDC-PMKSY)' को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- 'खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में'। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं।

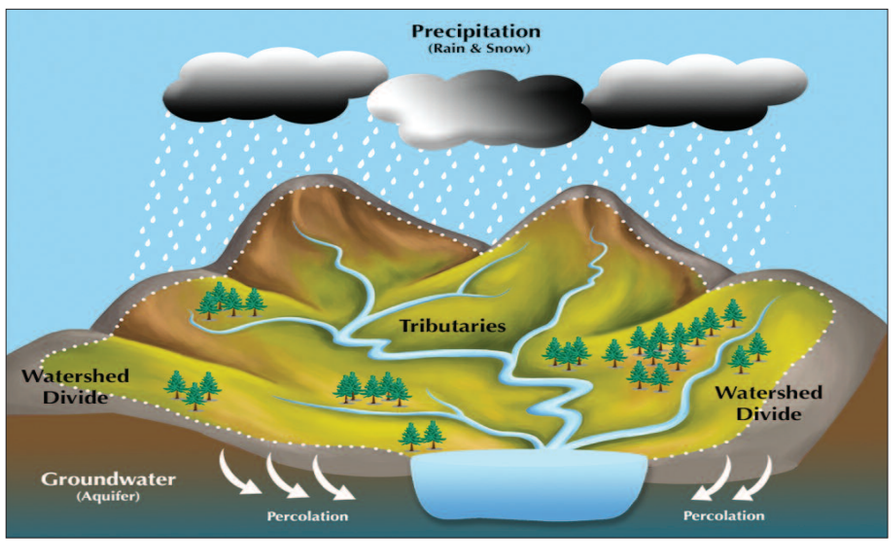

इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का स्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है। इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8% से लेकर 70% तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने रू.20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल स्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी रू.50,000 से रू.60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी रू.1 लाख से रू. 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है।

इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रोजगार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज्यादा नए इलाके में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16% का इजाफा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12% बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने 'वॉटरशेड यात्रा' भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। ह्यभुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)ह्ल और ह्यदृष्टिह्ल मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5% की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16% की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि केवल सरकार नहीं, समाज की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। उसी सोच के तहत ह्यवॉटरशेड यात्राह्ल जैसी पहल से इस योजना को जन-जन तक पहुँचाया गया है और यह एक जनांदोलन बन चुका है। यह भारतीय किसानों की मेहनत और बदलते भविष्य की कहानी है। जब जल और मिट्टी सुरक्षित होंगी, तभी भारत सुरक्षित रहेगा। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गाँवों की धरती समृद्ध होगी और किसान खुशहाल होंगे। आइए, मिलकर जल और माटी के इस रक्षा संकल्प को आगे बढ़ाएं।

(लेखक केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

पैरेंट्स काउंसिल में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को किया गया जागरूक

दिव्यांग छात्र छात्राओं का सर्वांगीण विकास जरूरी:- अनिल कुमार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना): शनिवार को पिपलौती खुर्द में समग्र शिक्षा अभियान में समेकित शिक्षा के अंतर्गत विकासखंड गंगेश्वरी के परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए पेरेंट्स काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग छात्र छात्राओं के अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने कहा कि दिव्यांग छात्र-छात्राएं किसी भी क्षेत्र में सामान्य बच्चों से कम नहीं है। शिक्षा के क्षेत्र में तो खासतौर से दिव्यांग छात्र-छात्राएं अपनी कामयाबी के झंडे गाड़ रहे हैं। हम सभी अभिभावकों को इन विशेष बच्चों का भरपूर सहयोग करते हुए इन्हें आगे बढ़ना चाहिए। समेकित शिक्षा के अंतर्गत इन विशेष छात्रों के लिए सरकार द्वारा अनेकों सुविधा प्रदान की जा रही हैं। समय-समय पर

इन छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण करके इनके लाभ के लिए विकलांग उपकरण प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांग छात्र छात्राओं के लिए समय-- समय पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाता है। जिसमें यह दिव्यांग छात्र खेलों के अनेकों रूप में प्रतिभाग करते हैं और अपनी कामयाबी का लोहा मनवाते हैं। कार्यक्रम को विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि इन विशेष बच्चों को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होना पड़ेगा। यह विशेष बच्चे आगे चलकर अपनी कामयाबी के शिखर को छूकर तरक्की करेंगे। पैरेंट्स काउंसिल कार्यक्रम में बोलते हुए प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि हम सभी अध्यापकों एवं अभिभावकों को इनके अच्छे भविष्य के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने होंगे। ताकि यह दिव्यांग छात्र छात्राएं प्रत्येक क्षेत्र में सामान्य बच्चों की तरह कामयाबी के शिखर को छू सके। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा, विशेष शिक्षक प्रणवीर सिंह,वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह,देशराज सिंह,यूसुफ खान, रामपाल सिंह,फिरोज अली,राशिद अली, शब्बीर अहमद, मशरूफ, कलुवा, इमराना, अकीला, नईमा,अमरूनिशां आदि मौजूद रहे।

शक्ति केंद्र पर किया गया बैठक का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे बूथ शशक्तिकरण एवं मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत क्षेत्र के ग्राम हाकमपुर में श्याम सिंह के आवास पर शक्ति केंद्र गंगवार के कार्यकताओं एवं बूथ अध्यक्षों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्व प्रथम अमर शहीद राजगुरु को उनके जन्म दिन और माननीय अरुण जेटली जी को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर नमन किया गया।उपस्थित विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार में देश और प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूत पूर्व तरक्की की है। विश्व पटल पर देश का सम्मान बढ़ा है। आज भारत का कंपटीशन

पाकिस्तान जैसे देशों से न होकर सीधे अमेरिका जैसे विकसित देशों से है । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सामाजिक समरसता और एकता के लिए काम कर रहे हैं। जबकि कुछ दल निजी स्वार्थ पूर्ति के लिए समाज को पिछड़े, दलित,अल्पसंख्यक्के बीच बांटने का काम कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ शशक्तिकरण एवं मतदाता पुनरीक्षण के कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह खड़गवंशी ने उपस्थित कार्यकताओं से एकजुट होकर अभियान सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर मोनू अग्रवाल, कलुआ खड़गवंशी, पिंकू त्यागी, सतपाल सिंह, अनिल सैनी, श्याम सिंह, महराज अली, पप्पू, राजकुमार, प्रेमराज सैनी आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय जाट महासभा की कार्यकारी बैठक सम्पन्न

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- नगर चंदौसी में अखिल भारतीय जाट महासभा की कार्यकारी बैठक पंचशील कॉलोनी स्थित श्री मान विजयपाल सिंह जी के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नकुल सिंह औलख ने की। बैठक में संगठन की कार्यकारिणी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई तथा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष के रूप में राखी सिरोही की घोषणा की गई। इस अवसर पर संगठन द्वारा जनपद सम्भल के समस्त जाट समाज के लोगों से एकजुट होकर समाज व संगठन की मजबूती हेतु कार्य करने का आह्वान

भी किया गया। नवनियुक्त महिला विंग की जिला अध्यक्ष राखी सिरोही ने कहा कि वह महिलाओं के बीच जाकर समाज के प्रति जागरूकता फैलाने और संगठन निर्माण के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगी। बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय जाट महासभा के युवा प्रदेश प्रवक्ता चौधरी सनि आर्य ने संगठन का परिचय देते हुए बताया कि ह्लअखिल भारतीय जाट महासभा जाट समुदाय का सबसे प्राचीन और प्रथम संगठन है। यह संगठन हमारे पूर्वजों की धरोहर है और समाज की एकता व प्रगति का आधार है। इस अवसर पर पूर्व एमएलसी चंद्रपाल सिंह पप्पू चौधरी ने जाट समुदाय के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक जुड़ाव पर प्रकाश डाला और संगठन की मजबूती के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। बैठक में छत्रपाल सिंह, दलवीर सिंह, विजयपाल सिंह,चंद्रपाल सिंह, विकास चौधरी, प्रशांत चौधरी, प्रदीप चौधरी, धर्मेन्द्र सिंह चौधरी, सतवीर सिंह, ऊषा चौधरी, रजनी, गुड़िया, नीतू सहित अनेको सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद का 61वा स्थापना दिवस मनाया गया

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद का स्थापना दिवस कार्यक्रम हसनपुर के रेहरा रोड शिव मंदिर पर आयोजित किया गया। विश्व हिंदू परिषद हसनपुर के अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को जन्माष्टमी पर्व के दिन की गई।संगठन का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना,धर्म और संस्कृति का संरक्षण,एवं दुनिया में हिंदुओं का ऐसा संगठन हो जो हिंदू धर्म की सेवा और रक्षा करना उसका उद्देश्य हो। आज एक वट वृक्ष के समान विश्व हिंदू परिषद पूरे विश्व में कार्य कर रहा है। 50 से ज्यादा देशों में विश्व

हिंदू परिषद सेवा सुरक्षा, संस्कार के रूप में कार्य कर रहा है। धर्मो रक्षति रक्षितः विश्व हिंदू परिषद का ध्येय वाक्य है, यानी जो धर्म की रक्षा करता है। धर्म उसकी रक्षा करता है इसी के सिद्धांत पर विश्व हिंदू परिषद निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज हम विश्व हिंदू परिषद का 61 वे स्थापना दिवस कार्यक्रम मना रहे हैं। हसनपुर नगर में विश्व हिंदू परिषद के प्रत्येक खंड में कार्यक्रम होने है। इसी क्रम में हसनपुर नगर में कायस्थान, होली वाला, राजपूत कॉलोनी, कोट पूर्वी, शिवाला मंदिर, शाहपुर रहरा अड्डा खंड मैं कार्यक्रम हो चुके हैं। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद हसनपुर नगर के अध्यक्ष अग्रवाल, प्रखंड मंत्री अमित शर्मा, उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, अनुराग शर्मा, हसनपुर बजरंग दल संयोजक राहुल हिंदुस्तानी, प्रखंड सहमंत्री जगवीर सिंह मौर्य, खंड अध्यक्ष मास्टर रामपाल सिंह, योगेंद्र शर्मा, नन्हे सिंह सैनी एडवोकेट, लाखन सिंह सैनी, समाजसेवी संजय गर्ग ,सुरेश कुमार, प्रखर शर्मा, आदित्य, यश अग्रवाल, रामदास, वरुण अग्रवाल, सुजल मौर्य, पप्पू सिंह, आनंद कुमार राणा, काव्य चंद्र, सुशील कुमार,अंकुर प्रजापति विपिन हिंदुस्तानी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शनि अमावस्या पर बृजघाट और तिगरी गंगा धाम घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

श्रद्धालुओं ने गंगा मे लगाई आस्था की डुबकी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में शनिवार को शनि अमावस्या के पावन अवसर पर अमरोहा जिले के बृजघाट और तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गजरौला क्षेत्र में स्थित इन पवित्र घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। हर-हर गंगे के जयकारों के साथ भक्तों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। यह दृश्य आध्यात्मिकता और भक्ति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा था। सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालु घाटों पर पहुंचने लगे थे। कई भक्त शुक्रवार देर रात ही बृजघाट और तिगरी धाम पहुंच गए थे, ताकि सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा स्नान कर सकें। सूर्योदय के समय भक्तों ने सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा की और गंगा मां की आरती उतारी। हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान के अलावा मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, मुरादाबाद, संभल, रामपुर और बिजनौर जैसे पड़ोसी जिलों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान में हिस्सा

लिया। घाटों पर पुरोहितों ने भक्तों को पूजा-अर्चना कराई, और कई लोगों ने जरूरतमंदों को दान देकर पुण्य लाभ कमाया। शनि अमावस्या का यह पर्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य से पितरों की शांति और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। तिगरी गंगा धाम और बृजघाट में सुबह से शाम तक स्नान का सिलसिला जारी रहा। घाटों पर भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ गोताखोर और आपातकालीन सेवाएं भी मौजूद थीं। हालांकि, एक घटना में तिगरी घाट पर उफनती गंगा में दो श्रद्धालु फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय गोताखोरों और पुलिस की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया।

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति के साथ सम्पन्न हुआ जनपद स्तरीय कला उत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- समग्र शिक्षा (मा.) योजनांतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा में कला उत्सव 2025 का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रभारी जिला विद्यालय ललित कुमार एवं अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कला उत्सव 2025 का शुभारंभ किया। कला उत्सव 2025 में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कला उत्सव में संगीत गायनएकल, संगीत गायनसमूह, संगीत वादन स्वर वाद्य , संगीत वादन अवनद्य वाद्य, संगीत वादन समूह, नृत्य एकल, नृत्य समूह , दृश्य कला द्विआयामी एकल, दृश्य कला त्रिआयामी, दृश्य कला समूह खिलौना निर्माण, नाटक एवं पारंपरिक कहानी वचन प्रतियोगिताओं के आयोजन में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में नीता भटनागर, आयुषी श्रोतिय, आलोक पाठक, ममता दलेला, कीर्ति, पूनम रानी, आलोक यादव, अखिलेश चौधरी रहे। कला

उत्सव 2025 को संबोधित करते हुए ललित कुमार प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा ने कहा कि कला उत्सव के माध्यम से बच्चों को प्रतिभा प्रदर्शन का एक मंच मिलता है इसके माध्यम से बच्चे देश भक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित होती है। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका स्नेह लता प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा ने कहा कि कला उत्सव 2025 के माध्यम से विभिन्न विधाओं के प्रतिभाशाली छात्राओं को एक मंच पर आकर प्रदर्शन करते हैं। एक दूसरे से सीखने का अवसर प्राप्त होता है। बच्चों को अपने कला प्रदर्शन को दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक मदनपाल सिंह ने कला उत्सव में प्रतिभा करने वाले विभिन्न विधाओं के बच्चों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके शिक्षकों एवं निर्णायकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कला उत्सव में खासिया परवीन, शिखा, ममता यादव, ममत सोलंकी, आयुषी श्रोत्रिय, मीना देवी, शीतू शिल्पा रानी, भारती मेयर, शिल्पी रानी, कीर्ति अभिलाषा चौधरी, सीमा रानी, पुनीता कुमारी अदिति चौधरी, सबा माहिम, शैली राजपूत जुबेदा खातून, शैली राजपूत, रूबी चौहान जगवती, भारती दिवाकर जुबेदा खातून, इल्मास बुशरा, फारेह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सीमा रानी ने किया। विजेताओं की सूची संलग्न है।

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले में सांसद कंवर सिंह तंवर जी की अध्यक्षता में शनिवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहुत की गई। सांसद ने सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाइवे किनारे कई स्थानों पर अवैध कट बना लिए गए हैं, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं बंद कराने के निर्देश दिए। इसके साथ हाइवे किनारे बने नालों में जलभराव की समस्या के निस्तारण के लिए सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को नियमानुसार राशन वितरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एआरटीओ को निर्देशित किया कि विशेष प्रवर्तन कार्रवाई कर जनपद में बिना परमिट और अवैध रूप से चलने वाहनों को बंद कराया जाए। उन्होंने हर घर जल योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि तोड़ी गई सड़कों को गुणवत्तापरक तरीके से ठीक कराया जाए और जिन ग्रामों में ठीक कराई जा चुकी है उसकी सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि कि आमजन को अपना मकान बनाये जाने हेतु आवश्यक मिट्टी आदि ले जाने के लिये अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए, तहसील स्तर पर सम्बन्धित उप-जिलाधिकारी को इस हेतु निर्देश जारी किये जाये जिससे कि आमजन को परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके साथ अवैध खनन करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सांसद स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुये कहा कि सफाईकर्मियों की जिस ग्राम में तैनाती है उसमें वह अपनी ड्यूटी को जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए सफाई कार्य करे। सांसद ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जनपद में चल रहे अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों व निजी चिकित्सालयों पर अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेकर निर्देशित करते हुये कहा कि कोई भी अवैध अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर व चिकित्सालय संचालित न हो। उन्होंने विद्युत अधिकारियों को

निर्देशित किया कि आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। समाज कल्याण, श्रम विभाग और अन्य विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार आमजन के मध्य कराने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित इलाके में किसानों को हुई फसल की नुकसान की भरपाई के लिए उपनिदेशक कृषि को बीमित किसानों को बीमा धनराशि दिलाने एवं राजस्व टीम को सर्वे कर नुकसान का सही आकलन करने के निर्देश दिए ताकि उनकी नियमानुसार मदद की जा सके। इसके साथ बाढ़ प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य कैंप लगाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए। सर्व शिक्षा अभियान की समीक्षा करते हुए बीएसए को निर्देश दिए कि परिषदीय विद्यालयों में मिड डे मील की गुणवत्ता परखने के लिए स्वयं स्कूलों में जाए और बच्चों के साथ खाना खाएं। उन्होंने ग्रामों में गठित ग्राम शिक्षा समिति की बैठक अपनी उपस्थित में कराने के भी निर्देश

बीएसए को दिए। सदस्य विधान परिषद डॉ0 जयपाल सिंह व्यस्त ने अधीक्षक अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि आरडीएसएस योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के साथ आमजन को भी विभिन्न माध्यम से दी जाए। बाल विकास पुष्टाहार की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि घरों तक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पहुंचे और इसकी प्रभारी मॉनिटरिंग करें। और जिला कार्यक्रम अधिकारी भी निरीक्षण कर सुनिश्चित कराएं कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर मिलने वाली सेवाएं गर्भवती महिलाओं और बच्चों को समय पर मिले। विधायक धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की पात्रता-अपात्रता का विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी अपात्र को आवास ना मिले और कोई पात्र छूट न पाए। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 17 ग्रामों में कार्य पूर्ण होने के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए नव चयनित 49 गांव की विधानसभावार सूची एक सप्ताह में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उनके क्षेत्र में चल रहे अस्पतालों की सूची उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने पूर्व में लगे हैंडपंपों का सर्वे करा कर रिबोर कराने की बात कही। बाढ़ प्रभावित ग्रामों में सामुदायिक शौचालय बनाने की बात कही। विधायक नौगांवा सादात समरपाल सिंह ने कहा कि जहां आवश्यकता हो वहां विद्युत पोल लगाए जाए और ट्रांसफर की क्षमता बढ़ाई जाए। इसके साथ उन्होंने मंडी में उचित साफ सफाई की व्यवस्था की बात भी रखी जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स जी ने मा0 सांसद जी को आश्वस्त करते हुए कहा कहा कि जो भी निर्देश दिये गये हैं उन पर गम्भीरता के साथ शत प्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने मनरेगा अंतर्गत किए गए कार्यों जैसे बगद और यगद नदी के पुनरुद्धार, मिशन 500 के तालाबों की खुदाई और अतिक्रमण से मुक्त कराना सहित अन्य कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की बिंदुवार जानकारी बैठक में प्रस्तुत की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पढ़ने और सीखने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को एलईडी स्क्रीन देने के साथ युवा मंगल दल को खेल किट दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, डीएफओ विनीता सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर, ब्लॉक प्रमुख गजरौला मीनाक्षी चौधरी, अध्यक्ष नगर पंचायत पालिका हसनपुर राजपाल सैनी, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद प्रवीण अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख धनौरा आशा चन्द्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए अम्बरीष कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी और मा0 जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संभल में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बॉर्डर चेक पोस्ट का उद्घाटन

चंदोसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) के निर्देशन में जनपद संभल में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में चंदौसी-बदायूं रोड पर थाना चंदौसी क्षेत्र में एक नई बॉर्डर चेक पोस्ट का लोकार्पण किया गया। इस चेक पोस्ट का उद्घाटन जिलाधिकारी संभल राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार ने फीता काटकर किया। इस चेक पोस्ट पर पुलिस विभाग, खनन विभाग और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमें तैनात रहेंगी, जो ओवरलोडिंग, अवैध खनन और आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए बैरियर लगाकर वाहनों की सघन चेकिंग करेंगी। इसका मुख्य उद्देश्य अराजक तत्वों को जनपद से बाहर भागने से रोकना और आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के पांच प्रमुख स्थानों पर ऐसी चेक पोस्ट स्थापित की जा रही हैं, जो कानून व्यवस्था को और मजबूत करने में सहायक होंगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस पहल से न केवल अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, बल्कि अवैध गतिविधियों पर भी प्रभावी रोक लगेगी। यह कदम जनपद संभल में शांति और सुरक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इफको द्वारा किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- क्लस्टर विलेज सहकारिता की अग्रणी संस्था इफको द्वारा अमरीश त्यागी की अध्यक्षता में किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला से डॉ इस. पी. सिंह द्वारा सभी फसलों में लगने वाली बीमारियां से बचाव के उपाय बताते हुए अत्यधिक पेस्टीसाइड से होने वाले सभी नुकसान, बीमारी के बारे में अवगत कराया और संतुलित मात्रा में पेस्टीसाइड का प्रयोग करने को कहा गया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. अमित तोमर द्वारा अच्छे बीज की पहचान और बीज बोने की सभी अच्छी तैयारी पे चर्चा की गई। लखनऊ उप महाप्रबंधक इफको सुरेश सिंह ने किसानों को बताया कि नाइट्रोजन फास्फोरस पोटाश को 4:2:1 के आदर्श अनुपात में उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि ज्यादा यूरिया प्रयोग करने से, मिट्टी व वायु प्रदूषण बढ़ता है। प्रवीण सिंह क्षेत्र अधिकारी अमरोहा द्वारा क्लस्टर विलेज के अंतर्गत किसानों को मिलने वाली सभी सुविधाओं के बारे में बताते हुए व्यवसाय विविधीकरण पर जोर दिया गया तथा क्लस्टर विलेज संचालक राजीव गोयल ने सभी का धन्यवाद करते हुए मीटिंग को समाप्त किया। इस दौरान अवधेश गोस्वामी एवं मोहित ओर दीपक , निकुल आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक: 41 मामलों का निस्तारण, 11 परिवारों का पुनर्मिलन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक महिला थाने में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद ने की। इस दौरान पति-पत्नी के बीच आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 98 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिनमें से 41 मामलों का निस्तारण सफलतापूर्वक किया गया। इसके

साथ ही 11 परिवारों को आपसी समझौते के माध्यम से पुनर्मिलन कराया गया। 25 पत्रावलियाँ, जो न्यायालय में विचाराधीन थीं या आवेदक द्वारा बल न देने के कारण, बंद करने की सिफारिश की गई। वहीं, 5 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की अनुशंसा की गई।

इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट, संगीता भार्गव, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत, ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। यह पहल परिवारों में सौहार्द बढ़ाने और विवादों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चंदौसी में गणेश चौथ मेला: जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

चंदोसी/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने थाना चंदौसी क्षेत्र में आयोजित होने वाले गणेश चौथ मेले के दृष्टिगत मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मेला कमेटी के पदाधिकारियों से वार्ता की। जिलाधिकारी महोदय ने मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से आयोजित करने के लिए संबंधित

अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि मेले में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, मेले में लगे झूलों और दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेला प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह पंवार, थाना प्रभारी चंदौसी निरीक्षक मोहित चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि गणेश चौथ मेला सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हो, जिससे श्रद्धालुओं और आगंतुकों को एक सुखद अनुभव प्राप्त हो।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक: 41 मामलों का निस्तारण, 11 परिवारों का पुनर्मिलन

अमरोहा। यदि आपका नाम पंचायत सूची में नहीं है। विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम है तो बिल्कुल परेशान होने की जरूरत नहीं है। बीएलओ विस क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम के आधार पर ही आपका नाम पंचायत की सूची में दर्ज करेंगे। इसके लिए आप से आवेदन भरवाएंगे। यदि नाम गलत है तो उसको संशोधित करवाएंगे। 29 सितंबर तक पंचायतों में निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण अभियान चलेगा। जिले में मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहा है जिले की 576 पंचायतों में मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। जिसमें बीएलओ घर-घर जाकर वोट बनाने, नाम संशोधन करने, मृतकों

के नाम मतदाता सूची से हटाने व स्थानांतरित व्यक्तियों का नाम कटवाने का कार्य कर रहे हैं। इस बार राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतों की मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने के लिए अलग ही व्यवस्था की है। बीएलओ को पंचायत की मतदाता सूची के साथ विस क्षेत्र की सूची भी दी गई पहले बीएलओ के पास सिर्फ पंचायतों की मतदाता सूचियां होती थीं लेकिन, अबकी बार उनको विधानसभा क्षेत्र की पंचायत वार मतदाता सूची भी उपलब्ध कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति का नाम विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में है और पंचायत की सूची में नहीं है, तो उसके आधार पर बूथ लेबल आफिसर व्यक्ति का नाम पंचायत सूची में जुड़वाने का कार्य करेंगे। दोनों का अवलोकन कर नए मतदाताओं के बनेंगे वोट इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतेंगे। बाकायदा उनका आवेदन वोट जुड़वाने के लिए करवाएंगे। जिसके लिए सभी बीएलओ को निर्देशित कर दिया गया है। यहां बता दें कि पुनरीक्षण अभियान के लिए 797 मतदान केंद्रों के हिसाब से 797 बीएलओ तैनात किए गए हैं। हर केंद्र पर एक बीएलओ की तैनाती की गई है। न्याय पंचायत वार 48 सुपरवाइजर लगाए गए हैं।

चार महीने में लव मैरिज का खौफनाक अंत, पत्नी का गला काटा फिर पति ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

बहजोई/संभल। बहजोई के मोहल्ला मुराव टोला में रविवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब पति-पत्नी के बीच हुए विवाद ने दर्दनाक रूप ले लिया। जिसमें युवक ने पहले अपनी पत्नी का गला काट दिया और उसे एक कमरे में बंद कर दिया, बाहर से गेट लगा दिया और घर के मुख्य दरवाजे को अंदर से बंद कर दिया, उसके बाद स्वयं ने बरामदे में जीने के निकट फंदे पर झूल कर जान दे दी। चार महीने पहले प्रेम विवाह किया था दरअसल,मूल रूप से बहजोई थाना क्षेत्र के गांव दिलगौरा का निवासी करन मौर्य (26) पुत्र प्रेमशंकर पिछले कुछ समय से बहजोई के मुराव टोला मकान बनाकर रह रहा था। करीब चार महीने पहले उसने बदायूं जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव महरोला निवासी सपना (जाटव) से मंदिर में प्रेम विवाह किया था और दोनों वहीं साथ रह रहे थे। निहाल कॉस्मेटिक की दुकान

पर करता है काम रविवार सुबह लगभग आठ बजे करन का छोटा भाई निहाल सिंह उनके घर आया, जो कि बहजोई में कॉस्मेटिक की दुकान पर काम करता है और अक्सर नहाने-धोने के लिए अपने भाई के घर आता था। वहां पहुंचा तो मुख्य गेट अंदर से बंद मिला। उसने आवाज लगाई तो भीतर से सपना की चीखने की आवाज आई, जबकि कमरा बाहर से सरकुंडा लगा होने के कारण बंद था। स्थिति से घबराकर निहाल ने पड़ोस की एक छोटी बच्ची को दीवार फांदकर अंदर भेजा और दरवाजा खुलवाया। अंदर फंदे पर लटका था करन जब घर के भीतर प्रवेश किया तो करन बरामदे में जीने के किनारे फंदे से लटका हुआ मृत मिला और कमरे के अंदर सपना घायल अवस्था में थी, जिसके गले पर धारदार हथियार से हमला किया गया था और खून बह रहा था। बताया गया कि घटना से पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद करन ने पहले सपना के गले पर वार किया और फिर खुदकुशी कर ली। सपना ने मायके वालों को दी सूचना गंभीर हालत में सपना ने कमरे से निकलकर फोन उठाया और अपने मायके वालों को सूचना दी। इसके बाद साहस जुटाकर वह ई-रिक्शा से इस्लामनगर चौराहे तक पहुंची लेकिन वहीं बेहोश हो गई। बाद में उसके मायके वाले उसे इस्लामनगर लेकर गए जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार करन ने पहले परिवार को शादी करने की बात बताई थी, लेकिन वह परिवार से अलग रह रहा था। युवक की मौत और युवती का इलाज जारी प्रभारी निरीक्षक बहजोई हरीश कुमार सिंह ने बताया कि युवक की मौत हो चुकी है और युवती का इलाज जारी है। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा भी मौके पर पहुंचीं और स्वजन से पूछताछ कर रही हैं।

नाबालिग लड़के को भगाकर ले गई मुंबई, फिर खुद को प्रेगनेंट बताकर महिला ने मांगे 5 लाख

अमरोहा। अदालत ने किशोर को बहला-फुसला कर मुंबई ले जाने वाली महिला और उसके साथी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिए हैं। आरोप है कि युवती ने खुद को गर्भवती बता कर किशोर के स्वजन से पांच लाख रुपये की मांग की थी। दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज कराई मामला सैदनगली थाना क्षेत्र के एक गांव का है। आरोप है कि कुछ दिन पहले गांव निवासी आदिल बागपत की युवती को शादी कर लाया था। युवती ने कुछ दिन बाद ही आदिल के स्वजन

के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज करा दी। रुपये लेकर मुकदमे में समझौता कर लिया। प्रकरण में युवती के साथ उसका एक साथी इस्तेकार भी शामिल था। आरोप है महिला ने उसके नाबालिग बेटे को भी प्रेम जाल में फंसा लिया। 31 जून 2025 को बहला कर अपने साथ मुंबई ले गई।वह मुंबई जाकर बेटे को वापस ले आया, लेकिन पीछा करते हुए महिला और इस्तेकार भी गांव पहुंच गए। महिला ने खुद को उसके नाबालिग बेटे से गर्भवती बताया। साथ ही मामला निपटाने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की। ष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी रुपये न देने पर मतांतरण का दबाव बनाने और दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। शनिवार को मामले को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष पाक्सो एक्ट प्रथम ने की अदालत ने सैदनगली थाना पुलिस को महिला और उसके साथी इस्तेकार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

अमरोहा-कैलसा मार्ग चौड़ीकरण का काम शुरू, 24 करोड़ किए जाएंगे खर्च

अमरोहा । लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड ने अमरोहा-कैलसा मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य शुरू करवा दिया है। बुलडोजर से सड़क के किनारों को खोदकर उसमें पत्थर डालकर समतल करने का काम चलने लगा है। मार्ग चौड़ीकरण में आने वाले अतिक्रमण, पेड़ व विद्युत पोलों को हटवाने का कार्य विभाग करेगा। सात से बढ़कर दस मीटर तक सड़क चौड़ी होगी। पहले साढ़े नौ किलो मीटर तक कार्य होगा। उसके बाद ही आगे काम करवाया जाएगा। मार्च 2026 तक निर्माण पूरा

होना है। अमरोहा से अंबरपुर चौराहे तक सड़क काफी चौड़ी है लेकिन, अंबरपुर चौराहे से कैलसा व पायंती कला तक उसका आकार सात मीटर तक है। अब उसको दस मीटर किया जाएगा। 24 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि उसके चौड़ीकरण पर खर्च होगी। सड़क को चौड़ा करने का कार्य शुरू धनराशि मिलते ही विभाग ने सड़क को चौड़ा करने का कार्य प्रारंभ करवा दिया है। एक साइड से सड़क की खोदाई करवाई जा रही है। हाथोंहाथ उसमें पत्थर आदि डालकर रोलर चलवाया जा रहा है और समतल करने का कार्य कराया जा रहा है। सड़क के किनारे तमाम पेड़ व विद्युत पोल खड़े हुए हैं। कस्बा कैलसा बार्डर, तेलीपुरा व पायंती कलां गांव में लोगों की जगह भी उसके दायरे में आएंगी। जिन्हें अधिकारियों ने हटवाने की बात कही है।

अवैध प्लाटिंग पर संभल प्रशासन की कड़ी कार्रवाई, जांच के बाद एसडीएम ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कराया निर्माण

संभल। नगर क्षेत्र में बिना किसी अनुमति के हो रही अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई। जहां बुलडोजर की मदद से लगाई गई ईंटों को उखड़वा दिया गया। साथ ही बिना अनुमति प्लाटिंग करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। प्रशासन की ओर से बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के निर्माण पर कार्रवाई की जा रही है, जिससे कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से निर्माण न कर सके। ऐसे में प्रशासन की सूचना मिली कि नगर के मोहल्ला शेर खां सराय में कुछ लोगों द्वारा अवैध प्लांटिग की जा रही है। एसडीएम को जांच के बाद शिकायत सही मिली इस पर एसडीएम विकास चंद्र ने मामले की जांच कराई तो शिकायत सही मिली। जहां मौके पर मुहल्ला शेर खां सराय में गाटा संख्या 116 के 372 एयर में अनुपम

गुप्ता, हरिओम गुप्ता व अभय गुप्ता तथा गाटा संख्या 126 में 652 एयर पर ओमप्रकाश, जगदीश व परमानंद के द्वारा प्लांटिग की जा रही थी, जिसके लिए न तो कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी और न ही कोई नक्शा पास कराया गया था। तहसील क्षेत्र के शेर खां सराय में हो रही थी अवैध प्लॉटिंग इस पर एसडीएम ने बिना अनुमति हो रही इस अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर शनिवार को विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता सचिन कुमार टीम व बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंचे और इस अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कराते हुए वहां लगी ईंटों को उखड़वा दिया गया। वहीं अधिकारियों द्वारा की गई इस कार्रवाई की जानकारी के बाद लोगों की वहां पर भीड़ लग गई। इस मामले में एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि बिना अनुमति व नक्शा पास कराए बिना प्लाटिंग की जा रही थी। इसी के चलते उसको ध्वस्त कराया गया है। साथ ही बिना अनुमति प्लाटिंग करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नोएडा से घर लौट रहे शख्स की गला घोट कर हत्या, सड़क किनारे खेत में फेंकी लाश

अमरोहा । नोएडा से घर लौट रहे फर्म कर्मी की गला घोट कर हत्या कर दी। शव को सड़क किनारे खेत में फेंक दिया। शरीर पर भी चोट के निशान है। रविवार सुबह लोगों ने खेत में पड़ा शव व वहीं खड़ी बाइक देखी तो पुलिस को सूचना दी। स्वजन ने रंजिश से इन्कार करते हुए अज्ञात के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव जब्दी निवासी झंडू सिंह के परिवार में तीन बेटे धर्मपाल, नेतराम व बब्लू सिंह हैं। बब्लू सिंह नोएडा की एक फर्म में नौकरी करते थे। उनकी पत्नी पूनम, बेटा विशाल, बेटी नेहा, नंदनी व राधिका गांव में ही रहती हैं। बब्लू सिंह प्रत्येक शनिवार को नोएडा से घर आ जाते

थे तथा सोमवार सुबह ड्यूटी पर चले जाते थे। शनिवार शाम को भी वह बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। परंतु देर रात तक घर नहीं पहुंचे तो स्वजन ने काल की। उनका मोबाइल बंद मिला। जिस पर स्वजन ने सोचा कि शायद आज घर नहीं आ रहे हैं। इस क्रम में रविवार सुबह जब्दी गांव के पास स्थित गांव खालकपुर के जंगल में सड़क किनारे स्थित खेत में लोगों ने एक बाइक खड़ी देखी तथा पास में ही शव पड़ा देखा। मोबाइल व जेब में पैसे व सभी कागजात मौजूद थे। मृतक की शिनाख्त कर बब्लू सिंह के रूप में हुई। उनके गले पर रस्सी या बेल्ट का निशान मिला है। साथ ही पीठ पर भी जख्म हैं। सूचना मिलते ही स्वजन मौके पर पहुंच गए। सीओ अवधभान भदौरिया व प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भी आ गए। बाइक, मोबाइल व पर्स मिलने से अंदाजा लगाया जा रहा है कि लूट के इरादे से तो हत्या नहीं की गई है। हालांकि स्वजन ने किसी भी रंजिश से इन्कार किया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ ने बताया कि इस मामले में अज्ञात के विरुद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

दिल्ली की CM रेखा गुप्ता पर हमले का रहस्य अनसुलझा, पुलिस साजिश की तह तक पहुंचने में जुटी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जानलेवा हमला करने के मामले में दिल्ली पुलिस चार दिन बाद भी हमले के सही कारण का पता नहीं लगा पाई है। बुधवार सुबह सवा आठ बजे गुजरात, राजकोट के रहने वाले आरोपित राजेश भाई खिमजी भाई सकारिया ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय में जन सुनवाई के दौरान उनपर जानलेवा कर दिया था। हमले के बाद से दिल्ली पुलिस समेत तमाम केंद्रीय एजेंसियां आरोपित से पूछताछ कर गहन जांच में जुटी हुई हैं लेकिन अब तक हमले के सही मकसद का पता नहीं लग पाया है। आरोपित ने जिस सुनियोजित तरीके से राजकोट से दिल्ली आकर पहले सीएम के घर पर पहुंचकर बाहर का वीडियो बनाया और अगले दिन सीएम के कैंप कार्यालय में पहुंचकर उनके करीब जाकर अचानक जानलेवा हमला किया उससे पुलिस को शक है कि इसके पीछे किसी की गहरी साजिश हो सकती है। लिहाजा पुलिस राजनीतिक रंजिश आदि तमाम पहलुओं पर जांच में जुटी तो हैं लेकिन अब तक किसी तरह-तरह के आपराधिक साजिश की बात सामने नहीं आई है। सभी नंबरों की पड़ताल कर रही पुलिस, राजेश भाई खिमजी के करीबी दोस्त तहसीम को पूछताछ के लिए शनिवार को राजकोट से दिल्ली लेकर आ गई। यहां उससे दिल्ली पुलिस समेत सभी केंद्रीय एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। हमले से एक दिन पहले मंगलवार की सुबह राजेश ने सीएम के शालीमार बाग स्थित घर के बाहर का वीडियो बनाकर तहसीम को ही भेजा था। इसके बाद तहसीम ने उसे मदद के तौर पर दो हजार रुपये भेजा था। तहसीम भी राजकोट में राजेश के साथ आटो ही चलाता है। हमले से पहले दोनों के बीच कई बार बातचीत हुई थी। इसलिए पुलिस दोनों के मोबाइल के काल डिटेल रिकार्ड निकालकर सभी नंबरों की पड़ताल कर रही है। आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की साथ ही, दोनों के बैंक खातों की भी जांच कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं किसी ने उन्हें हमले के लिए आर्थिक मदद की हो। पुलिस को उम्मीद है कि दोनों के काल डिटेल व बैंक खातों की जांच से साजिश का पता लग सकता है। दोनों को आमने-सामने बैठाकर भी पूछताछ की जा रही है। सीएम का लिया गया बयान! शनिवार दोपहर विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था रवींद्र सिंह यादव, संयुक्त अयुक्त मधुर वर्मा व डीसीपी राजा बांठिया ने मुख्यमंत्री के सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय पर जाकर उनसे घंटों मुलाकात की। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री का भी बयान दर्ज कर लिया गया है। हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इस दौरान तीनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अब तक की जांच में सामने आई बातों से भी उन्हें अवगत कराया। इस मामले में दिल्ली पुलिस अब तक 25 से अधिक लोगों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज कर चुकी हैं। संयुक्त आयुक्त मधुर वर्मा का कहना है कि पुलिस इस थ्योरी को नहीं मान रही है कि आरोपित कुत्ते को लेकर की जाने वाली कार्रवाई को लेकर गुस्से में था। वह पशु प्रेमी है इसलिए उसने हमला किया।

7 साल में 30 बच्चियां को बनाया शिकार, पहले हत्या करता फिर शव से दुष्कर्म

दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने 35 साल के हैवान रविंद्र कुमार को एक और केस में दोषी करार दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने उसके खिलाफ पुख्ता सबूत पेश किए हैं और आरोपी की दलीलों में कोई दम नहीं है। अब अदालत 28 अगस्त को उसे कड़ी सजा सुनाएगी। यह सनसनीखेज मामला साल 2014 का है, जब ढाई साल की एक मासूम अचानक घर से लापता हो गई थी। कुछ ही घंटों बाद उसकी लाश बरामद हुई। पुलिस जांच के बाद शक की सुई रविंद्र कुमार तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने ऐसा खौफनाक सच बताया जिससे पुलिस के भी होश उड़ गए। पुलिस के अनुसार रविंद्र ने कुबूल किया था कि उसने अब तक 7 सात साल में 30 बच्चियों का अपहरण, रेप और हत्या की है। उसने बताया कि उसका निशाना ज्यादातर 6 से 12 साल की बच्चियां होती थीं। वह नशे या ड्रग्स के असर में रात को निकलता और शिकार की तलाश में कई किलोमीटर पैदल चलता। बच्चियों को पैसे या टॉफी का लालच देता और सुनसान जगह ले जाकर दरिंदगी करता। कई बार हत्या के बाद वह शव के साथ भी रेप करता। उसने बताया कि 'मुझे उसमें मजा आता था', रविंद्र ने यह भी कबूला कि 'मैंने 2 साल के बच्चे तक को नहीं बख्शा।' रविंद्र मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कासगंज का रहने वाला है। उसका पिता प्लंबर और मां घरेलू कामगार थीं। वह 2008 में काम की तलाश में दिल्ली आया। यहां नशे और पोर्न फिल्मों की लत ने उसे अपराध की राह पर धकेल दिया। उसी साल उसने पहली बार एक मासूम को शिकार बनाया था।

दिल्ली प्रवास: उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से कानपुर व शिमला सांसदों की मुलाकात, विकास पर हुई चर्चा

दिल्ली । दिल्ली प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से कानपुर सांसद रमेश अवस्थी एवं शिमला सांसद सुरेश कश्यप ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में प्रदेश और देशहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने राजस्थान में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए उपमुख्यमंत्री को बधाई दी। साथ ही, भविष्य में आपसी सहयोग के माध्यम से जनकल्याण को और मजबूत करने का संकल्प भी व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सांसदों का आभार जताते हुए कहा कि राजस्थान सरकार विकास और सुशासन की दिशा में निरंतर कार्यरत है तथा केंद्र और राज्य के बीच बेहतर तालमेल से आमजन को अधिकाधिक लाभ पहुंचाया जाएगा।

दिल्ली विधानसभा में अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन का भव्य आयोजन, लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन का भव्य आयोजन रविवार को आरम्भ किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में सम्मेलन के महत्व को रेखांकित किया, जहां लोकतंत्र को मजबूत करने और विधायी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई। दरअसल, यह आयोजन राज्यों के बीच सहयोग और अनुभव साझा करने का अनूठा मंच है। आशा है कि यहां सभी को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा लेंगे। पिछले 6 माह में ही दिल्ली में कई काम हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कार्यक्रम के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले 24 अगस्त 1925 को 11 बजे इसी भवन में सदन लगा था, जिसमें विठ्ठल भाई पटेल ने केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। इसके पश्चात सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्रीय गृह के साथ-साथ आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि पिछले 6 माह में ही दिल्ली में इतने नए-नए काम हुए हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए। सीएम ने कहा कि ब्रिटिश सरकार में कड़े मुकाबले में चुनाव जीत कर कोई उनकी संसद का अध्यक्ष बना तो वे विट्ठल भाई पटेल थे। इस पद पर रहते हुए उनका कार्यकाल अंग्रेजों से सदैव टकरावपूर्ण रहा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि यह अखिल भारतीय सम्मेलन भारतीय लोकतंत्र की शक्ति एवं संजीविता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद विधानसभाएं एवं विधान परिषदें भारत की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही हमारी पहचान है। आप सभी इन निर्वाचित अधिकारी होने के नाते हमारे लोकतंत्र संरचना को बेहतर बनाने की बड़ी जिम्मेदारी का निर्माण करते हैं। हमारे विधानसभा और विधान परिषद 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं अभिलाषाओं का निर्माण करती हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजजू ने कहा कि यह महत्वपूर्ण स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस बहुत ही उपयोगी और बहुत ही महत्वपूर्ण है। कहा कि मुझे विश्वास है कि बहुत अच्छी तरह से आप लोगों के बीच में विचार विमर्श करके सही रिकमेंडेशंस आगे आएंगी। कहा कि यह कहना मुश्किल है कौन विधानसभा सदन में अध्यक्ष कैसे बेहतर सदन चलाते हैं। सभी के कुछ थोड़ा बहुत नियम में बदलाव है।

दिल्ली में दो सगे भाइयों समेत तीन को चाकुओं से गोदा, एक की मौत

दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना स्थित बवाना जेजे कॉलोनी में तीन से चार की संख्या में आए बदमाशों ने दो सगे भाइयों समेत उनके भांजे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे एक भाई की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि एक अन्य भाई समेत उसके भांजे को बवाना स्थित महर्षि वाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख घायलों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मृतक के घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शुक्रवार को इनमें से एक आरोपित लाइट के खिलाफ बवाना जेजे कॉलोनी पुलिस चौकी में शिकायत दी थी, पुलिस ने आरोपित को पकड़ा भी, लेकिन कुछ ही घंटे बाद छोड़ दिया। उसके अगले ही दिन शनिवार को अपने तीन दोस्तों के साथ आया। फिर इस वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपितों का पता लगा रही है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय नेयाज के रूप में हुई है। घायल की पहचान निहाल और तौकीर के रूप में हुई है। सभी बवाना औद्यगिक क्षेत्र में लोडिंग-अनलोडिंग का काम करते थे। इस मामले में, नरेला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन में धारा 103(1), 109(1) और 3(5) बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 767/2025 दर्ज की गई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक फरार आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

इस राज्य के लोग हो जाएं सावधान! जमकर बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने अलर्ट किया जारी

शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में हुई मध्यम से तेज बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी लेकिन कई इलाकों में जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम की समस्या भी खड़ी कर दी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को भी गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है और इसके लिए ह्यायेलोह्न अलर्ट जारी किया है। बारिश के बाद सड़कों पर मुसीबत आईएमडी के अनुसार दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग में शनिवार शाम 5:30 बजे तक 24.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं लोधी रोड पर 27 मिलीमीटर और पालम में 16.5 मिलीमीटर बारिश हुई। इस बारिश की वजह से उत्तर, मध्य, दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कई हिस्सों में सड़कों पर पानी भर गया जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जलभराव की कम से कम 10 शिकायतें मिली थीं जिनमें से ज्यादातर को एक घंटे के अंदर ही ठीक कर दिया गया। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे पेड़ों के नीचे और जल निकायों के पास खड़े होने से बचें। साथ ही बिजली के खंभों और तारों से दूर रहने की भी चेतावनी दी गई है।

संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक, जोधपुर में 5-7 सितंबर को होगा राष्ट्रीय मुद्दों पर मंथन, शामिल होंगे बड़े पदाधिकारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक पांच से सात सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में होगी। संघ व वैचारिक संगठनों में समन्वय के लिहाज से यह महत्वपूर्ण बैठक प्रतिवर्ष आयोजित होती है। पिछले वर्ष यह सितंबर में पालक्काड (केरल) में हुई थी। संघ के प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे बैठक में भाजपा, विहिप, बीएमएस, राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती सहित संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री व प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे। वहीं, सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारियों की भी विशेष मौजूदगी होगी। कई विषयों पर किया जाएगा मंथन जानकारों के अनुसार, इसमें ट्रंप टैरिफ से उपजी भारत सहित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, सीमाओं की वर्तमान स्थिति के साथ आपरेशन सिंदूर, संघ परिवार के महत्वाकांक्षी स्वावलंबन अभियान, विभिन्न राज्यों में तेजी से बदल रही धार्मिक जनसांख्यिकी, कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता, शताब्दी वर्ष के लिए समाज परिवर्तन के लिए तय पंच परिवर्तन व संघ शताब्दी वर्ष लक्ष्यों समेत अन्य विषय विमर्श में हो सकते हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में सभी संगठन कार्य क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर परिस्थितियों का आकलन प्रस्तुत करते हैं। राष्ट्रीय एकात्मता, सुरक्षा एवं सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक में व्यापक चर्चा तथा करने वाले कार्यों में परस्पर समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक कदमों की पहल होती है। हाल ही में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं पर सामूहिक समीक्षात्मक विश्लेषण भी किया जाएगा। इसी तरह, संगठनों के पदाधिकारी अपने कार्य की जानकारी, उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं को भी प्रस्तुत करेंगे। संघ शताब्दी के कार्यक्रमों में सभी संगठनों की सहभागिता पर भी विचार-विमर्श अपेक्षित है।

OYO होटल में रुककर बना रहे थे गैंगवार का प्लान, वारदात से पहले तीन बदमाश दबोचे गए

दिल्ली। बवाना थाना क्षेत्र स्थित एक ओयो होटल में रुके तीन बदमाशों को गैंगवार को अंजाम देने से पहले पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपित विरोधी गैंग के बदमाश की हत्या करने के लिए इस होटल में तीन दिनों से रुके हुए थे। तीनों बदमाश नवीन बाली और हिमांशु भाऊ गैंग के सदस्य हैं, जो राजेश बवानिया गिरोह के सदस्य की हत्या करने के लिए रेकी कर रहे थे। बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वे जेल में बंद गैंगस्टर नवीन बाली के इशारे पर ही अपने सदस्यों की हत्या का बदला लेने के लिए यहां आए थे। मौका लगते ही वे वारदात को अंजाम देने वाले थे। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान पूठ खुर्द निवासी अंजार आलम, ऋतिक और पंजाब स्थित गुरदासपुर निवासी राजेश कुमार के रूप में हुई। इनपर पहले से कोई आपराधिक मामले दर्ज नहीं हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चौकसी की वजह से गैंगवार को रोका गया है। आगे मामले की जांच की जा रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 15 अगस्त के दौरान सुरक्षा को लेकर क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान बवाना थाने में तैनात हवलदार हरीश ने देखा कि इलाके में स्थित एक ओयो होटल के पास एक बाइक कई दिनों से संदिग्ध हालत में खड़ी है। हवलदार ने होटल मालिक से बाइक के बारे में जानकारी हासिल की। मालिक ने बताया कि बाइक वाले तीन दिन से होटल में ठहरे हुए हैं। शक होने पर हवलदार बवाना एसएचओ रजनीकांत के नेतृत्व में उस कमरे की जांच की। कमरे में तीन युवक संदिग्ध हालत में मिले। तलाशी लेने पर इनके पास से तीन पिस्टल, 27 कारतूस और दो मैगजीन मिले। इसके साथ ही इनके पास से एक मोबाइल फोन और बाइक मिली। हत्या का बदला लेना चाहते थे बदमाश 2024 में नवीन बाली गैंग के सदस्य अजय उर्फ बहादुर की कंझावला में और 2025 में बवाना में धर्मवीर उर्फ बिल्लू की हत्या कर दी गई थी। अजय की हत्या का आरोप राजेश बवानिया के दामाद अंकित पर है। नवीन बाली फिलहाल जेल में बंद है। दोनों हत्या का बदला लेने के लिए नवीन बाली ने जेल में साजिश रची। बदमाशों ने बताया कि ऋतिक को विरोधी गैंग के बदमाश की हत्या करने के लिए रेकी करने का काम दिया गया था। वहीं राजेश और अंजार को हत्या को अंजाम देना था। विदेश से बदमाशों को मिल रही थी मदद बदमाशों ने बताया कि इस काम के लिए विदेश में छिपा उसके गिरोह का सरगना हिमांशु भाऊ उनकी मदद कर रहा था। वह तीनों से वाट्सएप पर संपर्क में था और उसने अंजार को हथियार के लिए 70 हजार रुपये भेजे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसमें आपराधिक बातचीत और योजना संबंधित चैट्स हैं।

दिल्ली में अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन आज से, 29 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष और 17 उपाध्यक्ष होंगे शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में दो दिवसीय अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन आज से। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे इसका शुभारंभ। इस सम्मेलन में 29 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष और 17 उपाध्यक्ष आदि ले रहे हैं भाग। विट्ठलभाई पटेल के केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने पर होने पर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर विधानसभा में विट्ठलभाई पटेल की गौरव गाथा नाम से उनके जीवन पर आधारित एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। ऐतिहासिक आयोजन है आवश्यक विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मेलन को लेकर शनिवार को तैयारियों का निरीक्षण किया। गुप्ता ने कहा है कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन न केवल वीर विट्ठलभाई पटेल की विरासत को सम्मान देता है, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने और शासन में जवाबदेही बढ़ाने के हमारे संकल्प को भी दोहराता है। सम्मेलन 24-25 अगस्त को चलेगा कार्यक्रम की योजना के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष विट्ठलभाई पटेल की शताब्दी के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे और विधायी इतिहास पर समर्पित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। जिसमें दुर्लभ अभिलेख, तस्वीरें और संसदीय विकास की झलक प्रस्तुत की जाएगी। सम्मेलन 24-25 अगस्त को चलेगा। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 29 राज्य विधानसभाओं के अध्यक्ष और छह राज्यों की विधान परिषदों के सभापति और उपसभापति शामिल होंगे। कार्यक्रम का समापन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के समापन भाषण के साथ होगा। इसमें राज्यसभा के सभापति और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि 24 अगस्त 1925 को केंद्रीय विधान सभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष के रूप में विट्ठलभाई पटेल के निर्वाचन की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय कार्यक्रम हाल के इतिहास में पीठासीन अधिकारियों की सबसे बड़ी सभाओं में से एक होगा। गुप्ता ने कहा कि बिट्ठलभाई लौहपुरुष सरकार पटेल के बड़े भाई थे। दो सत्र पहले दिन होंगे गुप्ता ने बताया कि अखिल भारतीय अध्यक्ष सम्मेलन में चार विषयगत सत्र होंगे, जिसमें दो सत्र पहले दिन होंगे। शुरूआत "विट्ठलभाई पटेलः भारत के संविधान और विधायी संस्थाओं को आकार देने में भूमिका से होगी, जिसे पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार संबोधित करेंगी। इसके बाद राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण द्वारा भारत - लोकतंत्र की जननी" विषय पर एक मुख्य सत्र होगा। स्वतंत्रता-पूर्व युग से आधुनिक गणराज्य तक भारत की विधायी और लोकतांत्रिक यात्रा पर आधारित एक विशेष रूप से निर्मित वृत्तचित्र भी सम्मेलन के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। इस वृत्तचित्र का वाइस-ओवर वर्णन अभिनेता अनुपम खेर ने किया है।

दिल्ली विधानसभा में आज से अखिल भारतीय स्पीकर सम्मेलन शुरू हो रहा है जिसका उद्घाटन गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। यह सम्मेलन विट्ठलभाई पटेल के केंद्रीय विधानसभा अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने पर हो रहा है जिसमें 29 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर विट्ठलभाई पटेल के जीवन पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।

हरियाणा में 18 हजार 847 नशा पीड़ित, 4200 गांवों को घोषित किया नशा मुक्त

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने स्वीकार किया है कि प्रदेश में ड्रग्स की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य सरकार के रिकार्ड के अनुसार इस समय प्रदेश में 18 हजार 847 युवा नशा पीड़ित हैं। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन रानियां से विधायक अर्जुन चौटाला ने कानून-व्यवस्था तथा अन्य विषयों से संबंधित सवाल पूछा। सदन में हंगामे के चलते सदन में चर्चा नहीं हो सकी लेकिन सरकार ने आज इसका जवाब दे दिया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के हवाले से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक कुल 18 हजार 847 नशा पीड़ितों की पहचान की गई है। वर्तमान में 11 हजार 558 नशा पीड़ित विभिन्न केंद्रों में उपचार प्राप्त कर रहे हैं। हरियाणा सरकार ने दावा किया है कि राज्य में 4238 गांवों तथा 913 वार्डों को नशा मुक्त घोषित किया जा चुका है। नशा तस्करी के मामलों में कार्रवाई के लिए गठित एचएसएनसीबी की सराहना करते हुए सरकार ने कहा है कि नशे के खिलाफ प्रदेश में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

हरियाणा का ऐसा गांव, जहां एक गांव में ही कराई जाती हैं शादियां

हरियाणा हरियाणा के करनाल जिले के गांव हलवाना में आज भी एक अनोखी परंपरा जीवित है, जो इसे बाकी गांवों से अलग बनाती है। यहां लड़के और लड़कियों की आपस में, यानी एक ही गांव के अंदर शादियां कराई जाती हैं, चाहे लड़का और लड़की पड़ोसी ही क्यों न हों।

पीढ़ियों का ध्यान, लेकिन गोत्र केवल पिता का

इस गांव में शादियों को लेकर एक खास नियम का पालन किया जाता है। शादी करते समय केवल पिता का गोत्र देखा जाता है, और विवाह आठवीं पीढ़ी में किया जाता है, यानी सात पीढ़ी छोड़कर। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, और इसमें लड़के और लड़की के माता-पिता की रजामंदी जरूरी होती है। यहां के लोग मानते हैं कि यह रिवाज सामाजिक समरसता और आत्मीयता को बनाए

रखने में मदद करता है।

सिर्फ जून-जुलाई में ही होती हैं शादियांगांव हलवाना की एक और खास बात यह है कि यहां पूरे साल में सिर्फ दो महीने झ जून और जुलाई में ही शादियां होती हैं। इसका कारण यह है कि गांव के ज्यादातर लोग मजदूरी या अन्य काम के सिलसिले में साल भर बाहर रहते हैं और केवल इन्हीं महीनों में गांव लौटते हैं।

दहेज नहीं, प्रसाद में इलायचीदाना

जहां आजकल की शादियों में लाखों रुपये खर्च होते हैं और दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, वहीं हलवाना गांव में दहेज लेना-देना अपराध समझा जाता है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि गुरजयंत सिंह के अनुसार, एक शादी का खर्च सिर्फ 2 से 3 हजार रुपये होता है। शादियों में बारातियों को केवल नमकीन और मीठे इलायचीदाने का प्रसाद दिया जाता है।

बेटियां यहां लक्ष्मी का रूप मानी जाती हैं

हलवाना गांव की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि यहां बेटियों को बोझ नहीं, बल्कि लक्ष्मी का रूप माना जाता है। किसी घर में बेटी जन्म लेती है तो परिवार खुशी मनाता है। इसका असर यह है कि गांव में लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या अधिक है। आज गांव में 1000 लड़कों पर करीब 1400 लड़कियां हैं झ जो समाज में लिंग संतुलन को लेकर एक प्रेरणा है। हलवाना गांव में अधिकतर लोग गरीब तबके से हैं। करीब 45% लोग आज भी झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं। इनका जीवन-यापन लोहे के तसले, कढ़ाई आदि बनाना या मरम्मत करना और गांव-गांव जाकर इन्हें बेचना है। शिक्षा की स्थिति कमजोर है, लेकिन सामाजिक रूप से गांव एकता और पारिवारिक मूल्यों में समृद्ध है।

गांव में ही बसती है नई दुनिया

इस गांव में शादी के लिए लड़कों को दूसरे गांव में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। गांव की ही लड़कियों से उनकी शादी हो जाती है। एक शादी में आए एक बुजुर्ग ने बताया, मैं इसी गांव का रहने वाला हूं। मेरी शादी भी 25 साल पहले यहीं हुई थी। आज मेरा परिवार सुखी है और मेरे सभी रिश्तेदारों की शादियां भी इसी गांव में आपस में हुई हैं। गांव हलवाना की यह परंपरा आधुनिक समाज को सरलता, समानता और सामाजिक एकता का संदेश देती है। जहां आज रिश्तों में दिखावा, खर्च और भेदभाव हावी हो चुका है, वहीं हलवाना जैसे गांव यह दिखाते हैं कि कम संसाधनों में भी खुशहाल और सशक्त समाज बसाया जा सकता है।

जींद में अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद की हरियाणा कार्यकारिणी की बैठक, प्रदेशभर से जुटे पदाधिकारी

जींद : जींद के एक निजी होटल में अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद की हरियाणा कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारी एकत्र हुए और जाट समाज के उत्थान व संगठन की भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामावतार पलसानिया ने बैठक में विशेष बातचीत के दौरान संगठन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, "हमने समाज को मजबूत करने और इसकी एकता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए वर्ष 2010 में अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद की स्थापना की। जाट समाज का तानाबाना देशभर में फैला है, लेकिन इसे विश्व स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता थी।" पलसानिया ने आगे बताया कि संगठन में वर्तमान में 2500 से अधिक पदाधिकारी और हजारों सदस्य सक्रिय हैं देश के सभी राज्यों में कार्यकारिणी का गठन किया गया है, और संगठन के कार्यक्रमों में विश्वभर के जाट समाज के लोग एकजुट होते हैं। उन्होंने कहा, "समाज में समय और परिस्थितियों के अनुसार संगठनों का निर्माण होता है, और हमारा लक्ष्य जाट समाज को सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।"यह बैठक सामाजिक एकता, शिक्षा, रोजगार और समाज के समग्र विकास जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श का एक प्रभावी मंच साबित हुई। संगठन की इस पहल को उपस्थित पदाधिकारियों ने सराहा और भविष्य में इसे और सशक्त करने का संकल्प लिया।

हिमाचल के डिप्टी सीएम की बेटी बनेंगी हरियाणा की बहू, झज्जर के आईएएस के साथ लेंगीं 7 फेरें

हरियाणाः हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री की इकलौती बेटी, डॉ. आस्था अग्निहोत्री जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। उनकी शादी हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले आईएएस अधिकारी सचिन शर्मा से होगी। सचिन शर्मा हिमाचल कैडर के IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में ऊना के अंब में SDM के पद पर तैनात हैं। इस रिश्ते की जानकारी खुद मुकेश अग्निहोत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो शेयर करते हुए दी। उन्होंने लिखा, "परिणय सूत्र में बंधेंगे डॉ. आस्था अग्निहोत्री एवं सचिन शर्मा (IAS)।" हालांकि, अभी शादी की तारीख की घोषणा नहीं की गई है। डॉ. आस्था अग्निहोत्री हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (HPU), शिमला में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उनकी माता, सिम्मी अग्निहोत्री, भी HPU के कार्मिक प्रशासन विभाग में प्रोफेसर थीं, जिनका 9 फरवरी 2024 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। सचिन शर्मा ने 2022 में पहली ही कोशिश में UPSC परीक्षा पास की थी और 233वीं रैंक हासिल की। उन्होंने गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित DAV स्कूल से 12वीं की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स में बीटेक की डिग्री प्राप्त की और बीटेक के बाद एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में कई साल तक नौकरी की।

हरियाणा ने जीता इस चैंपियनशिप का खिताब, ओडिशा को 3-2 से हराकर की जीत दर्ज

हरियाणाः हॉकी हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15वें हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में हरियाणा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को 3-2 से हराकर जीत दर्ज की। वहीं, कांस्य पदक मुकाबले में हॉकी पंजाब ने रोमांचक शूटआउट में उत्तर प्रदेश हॉकी को हराया। फाइनल की शुरूआत में दोनों टीमें बराबरी की टक्कर देती रहीं। दूसरे क्वार्टर में ओडिशा ने बढ़त बनाई। दीपक प्रधान (17') और प्रताप टोप्पो (19) ने लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर गोल दागकर ओडिशा को 2-0 की बढ़त दिलाई। आखिरी क्वार्टर में हरियाणा ने शानदार वापसी की। चिराग (50) ने पहला गोल किया और फिर नितिन (51, 60) ने दो गोल कर हरियाणा को खिताब दिलाया। यूपी के सत्याम पांडे (8), उज्जवल पाल (48) और फहद खान (57) ने गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पंजाब के लिए लवनीर सिंह (21) और जपनीत सिंह (28, 59) ने गोल किए। आखिरी मिनट में जपनीत सिंह के पेनल्टी स्ट्रोक ने मैच को 3-3 से बराबरी पर पहुंचा दिया। शूटआउट में पंजाब ने 4-3 से जीत हासिल कर कांस्य पदक पर कब्जा किया। नितिन (हॉकी हरियाणा): फाइनल में दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। जपनीत सिंह (हॉकी पंजाब): कांस्य पदक मुकाबले में दो गोल और पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए टीम को वापसी दिलाई। इस जीत के साथ हॉकी हरियाणा ने जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 का ताज अपने नाम कर लिया, जबकि हॉकी पंजाब ने कांस्य पदक जीतकर अभियान का समापन किया।

5 हजार से अधिक सांप पकड़ चुके हरियाणे का टिंकू, 18 बार डस चुके है सांप

बावलः जलालपुर गर्व के आदित्य सिंह राजपूत उर्फ टिंकू (50) सांपों के बीच रहकर लोगों की सेवा कर रहे हैं। आदित्य पिछले 20 वर्षों से सांप पकड़ रहे हैं। अब तक वे 5 हजार से अधिक सांपों को पकड़ चुके हैं। 18 बार सांपों के काटने का शिकार भी हो चुके हैं। इसके बावजूद वे पूरी निष्ठा और साहस के साथ लोगों की सेवा कर रहे हैं। आदित्य बताते हैं कि इस कार्य की प्रेरणा उन्हें टीवी पर एक युवक को सांप पकड़ते देखकर मिली थी। सबसे पहली बार उन्होंने गांव के मंदिर में घुसे एक सांप को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के बाहर निकालकर जंगल में छोड़ा था। इसके बाद उन्होंने यह कार्य निरंतर जारी रखा। एक बार जब उन्हें एक कंपनी से सांप पकड़ने का फोन आया तो वे तुरंत मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे लेकिन दुर्भाग्यवश उसी दिन सांप ने उन्हें काट लिया। हालत इतनी गंभीर हो गई कि उन्हें रेवाड़ी से रोहतक रेफर करना पड़ा। आंखों के सामने अंधेरा छा गया था और मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया था। आदित्य ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि उनके वीडियो देखकर कोई भी आम व्यक्ति सांप पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि यह कार्य अत्यंत जोखिम भरा है और इसके लिए विशेष अनुभव की आवश्यकता होती है। खेलों में भी नाम, अधूरी रह गई देश सेवा की चाह : आदित्य सिंह एक प्रदेश स्तरीय बेस्ट एथलीट भी रह चुके हैं और भारतीय सेना में देश सेवा करना चाहते थे। दसवीं पास न कर पाने के कारण उनका सपना अधूरा रह गया।

कुरुक्षेत्र में दो पक्षों में खूनी झड़प, अस्पताल में घायलों से मारपीट और तलवारबाजी, माहौल तनावपूर्ण

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा क्षेत्र के गांव मेहरा में आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों में भीषण झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान डंडों और तलवारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों की पहचान गांव मेहरा निवासी अरुण और एक अन्य युवक के रूप में हुई है। अस्पताल में भी हमला, गाड़ियों में तोड़फोड़

घटना के बाद जब घायलों को इलाज के लिए लाडवा के सरकारी अस्पताल लाया गया, तो वहां भी स्थिति बेकाबू हो गई। आरोप है कि विरोधी पक्ष के लोगों ने अस्पताल में पहुंचकर घायलों पर दोबारा हमला किया और उनकी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की।

आपसी रंजिश का नतीजाबताया जा रहा है कि दोनों पक्ष आपस में रिश्तेदार हैं और इनके बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चला आ रहा था। इसी पुरानी रंजिश ने अब उग्र रूप ले लिया। पुलिस कर रही जांच लाडवा थाना प्रभारी सुनील वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि गांव मेहरा में दो पक्षों के बीच झगड़ा हुआ है। जब पुलिस टीम अस्पताल पहुंची तो वहां तोड़फोड़ और मारपीट की पुष्टि हुई। फिलहाल घायलों का इलाज लाडवा के सरकारी अस्पताल में चल रहा है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा के पूर्व विधायकों की हुई मौज, अब मिलेगा विदेश यात्रा भत्ता, जानें कब लागू होगा संशोधन

हरियाणा : हरियाणा के पूर्व विधायकों की मौज हो गई। अब उन्हें हर माह विदेश यात्रा के लिए भत्ता मिलना भी शुरू हो जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद यह संशोधन विधेयक कानून के तौर पर भी लागू हो जाएगा।

वर्तमान में 100000 से कम पेंशन प्राप्त कर रहे पूर्व विधायकों को ही यात्रा भत्ता की सुविधा दी जाती है, अब जिन विधायकों की उम्र 60 साल से पूरी हो चुकी है, उन्हें हर महीने 10000 मेडिकल भत्ता देने का भी निर्णय लिया गया है। बता दें कि वर्तमान में राज्य के हर पूर्व विधायक के स्वयं और उसके पारिवारिक सदस्यों के लिए विदेश यात्रा के लिए हर महीने 10000 भत्ते के तौर पर देने का प्रावधान किया है। राज्यपाल की स्वीकृति मिलने के बाद इस संशोधन को विधेयक के तौर पर लागू कर दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि महंगाई और यात्रा खर्च बढ़ने के कारण यह बदलाव आवश्यक है।

प्रमुख विपक्षी दल होने कांग्रेस की रणनीति स्पीकर ने सिरे नहीं चढ़ने दी

चंडीगढः कांग्रेस जिस काम रोको प्रस्ताव को लेकर आक्रामक थी व शुक्रवार जिसे ले सदन की कार्यवाही छ बार स्थगित करनी पड़ी।अब उस मुद्दे पर 26 अगस्त यानी मंगलवार को सदन में चर्चा होगी।इन साइड स्टोरी में जहां सत्ता पक्ष शुक्रवार को प्रश्न काल शुरू होते हो कांग्रेस द्वारा इस प्रकार के कदम उठाने को गलत मान रहा हैं।

मगर प्रश्नकाल में जब जन हित की समस्याएं व मुद्दे उठाए जाते है के दौरान ऐसा करना बाधा व गलत मान रहा है। चर्चा के अनुसार हरियाणा विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 66,68,69,71 आदि के तहत कांग्रेस को प्रश्नकाल में लगे जनहित के मुद्दों के जवाब के बाद कांग्रेस को काम रोको प्रस्ताव लाना चाहिए था। पहले ही दिन सदन का तीन घंटे के करीब का समय जिस काम रोको प्रस्ताव के प्रस्ताव के लिए किया गया चर्चा के अनुसार तकनीकी खामियों के चलते सर्वदलीय मीटिंग बाद वही प्रस्ताव दुरुस्त कर दुबारा देना पड़ा।चर्चा है कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का पहला काम रोको प्रस्ताव

रद्द किया गया,इसलिए दुबारा देना पड़ा। दिल्ली व उत्तराखंड के अंदर घटित घटनाक्रमों से सत्ता पक्ष व स्पीकर भी अछूते नजर नहीं आए।स्पीकर हरविंदर कल्याण ने तो यह कहा भी कि दिल्ली के अंदर जो हो रहा है वह हरियाणा में भी हो जरूरी नहीं है।स्पीकर ने कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भी अनुभवी व वरिष्ठ सदस्य बताते हुए कांग्रेस के विधायकों से अनुशासन की बात कही।

स्पीकर हरविंदर कल्याण के लिए शुक्रवार का दिन अत्यंत संयम व धैर्य का रहा।जबकि स्पीकर के पास लगातार तीसरी बार वेल में रहे विधायकों को निष्काशित करने व नेम करने की व्यवस्था हाथ में थी। एसी भी चचाएं हैं कि कांग्रेस भी इन सब चीजों के लिए तैयार हो आक्रामक थी।कांग्रेस विपक्ष में है और प्रमुख विपक्षी दल होने के नाते कांग्रेस कानून व्यवस्था के मुद्दे को सदन से सड़क तक ले जाने की फिराक में थी,जिसे स्पीकर ने भांपते हुए इनकी योजना सिरे नहीं चढ़ने दी।

शुक्रवार को सदन पटल पर कांग्रेस ने अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करवाई।पिछले ग्यारह साल में कांग्रेस पहली बार एग्रेसिव नजर आई।पहले दिन की कार्यवाही के बाद संसदीय मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि कांग्रेस जानबूझ कर व्यवधान पैदा कर सुर्खियों में रहना चाहती है।

अब हरियाणा के इन सरकारी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम से होगी पढ़ाई

हरियाणा : हरियाणा से खबर आ रहा है कि अब हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई शुरू होगी। अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई उन स्कूलों में होगी जो हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से मान्यता प्राप्त हैं।

जल्द ही यह तय किया जाएगा कि कितने स्कूलों में यह पढ़ाई शुरू की जाएगी। वहीं अब तक 500 सरकारी स्कूलों में इंग्लिश मीडियम से पढ़ाई कराई जा रही है, लेकिन ये सीबीएसई से मान्यता प्राप्त हैं। बताया जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम अब राज्य सरकार की ओर से वोकल फॉर लोकल के तहत जैविक खेती, बागवानी और फ्लोरीकल्चर सब्जेक्ट्स को भी शामिल किया जाएगा। पहले यह प्रदेश के हर जिले के एक स्कूल से शुरू होगी।

हर पात्र व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मददगार बनें कार्यकर्ता: धनखड़

चंडीगढ : केंद्र में मोदी सरकार और हरियाणा में नायब सरकार अंत्योदय की भावना से जनसेवा के उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। समाज के हर वर्ग की देश - प्रदेश के विकास में बराबर की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सभी भाजपा कार्यकताओं का दायित्व बनता है कि वह यह सुनिश्चित करें कि अपने अपने क्षेत्र में हर पात्र नागरिक को मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औम प्रकाश धनखड़ ने एम आर हसनपुर स्कूल में आयोजित बादली विधानसभा मंडल कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की पहचान देश और समाज सेवा से होती है। आप सभी यह निश्चय कर लें कि आगामी सेवा पखवाड़े में अपने अपने क्षेत्र में सरकार की योजनाओ के लाभ से वंचित रहे हर पात्र नागरिक को योजनाओं का लाभ दिलवाने में मददगार बनेंगे। पात्र नागरिक को योजना का लाभ मिलने से उसका विश्वास आपके प्रति , भाजपा के प्रति और भाजपा की मोदी नायब सरकार के प्रति और बढ़ेगा। नागरिकों के विश्वास से ही भाजपा

संगठन और मजबूत होगा।

7 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भाजपा मनाएगी सेवा पखवाड़ा

राष्ट्रीय सचिव श्री धनखड़ ने बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि अगला पखवाड़ा बहुत ही महत्वपूर्ण है, इसमें 17 सितंबर को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म दिवस है, 25 सितंबर को पं.दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती और दो अक्टूबर को महात्मा गांधी जी की जयंती है। पार्टी इस पखवाड़े को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी । इस पखवाड़े के दौरान पार्टी कार्यकर्ता कार्यक्रमों को समारोह के रूप में आयोजित करेंगे । इस दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, खेल प्रतियोगिताएं, वोकल फॉर लोकल,खादी की खरीद, पात्र लोगों के आयुष्मान, हैप्पी कार्ड बनवाना सहित अलग अलग प्रकार की 14 गतिविधियां होंगी। सभी कार्यकर्ता इन आयोजनों में बढ़-चढकर भागीदारी करेंगे। बैठक में पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ का जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि की अगुवाई में कार्यकताओं ने जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया।

मंडल कार्यकारिणी बैठक में मौजूद जिला अध्यक्ष विकास बाल्मिकी और दादरी जिला प्रभारी महेश चौहान ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । सरल ऐप पर अपना प्रोफाइल अपलोड करने सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी दी गई। मंडल कार्यकारिणी की बैठक में विनोद भटेड़ा, पवन लोहारी , संदीप हसनपुर , मनोज धनखड़, बसंत सुहरा, महावीर पेलपा, विनोद बाढ़सा,अमित गुभाना, सोमवीर कोडान सहित पार्टी पदाधिकारी,मोर्चो के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारियों ने दिया ईमानदारी का परिचय, नकदी से भरा थैला पैसेन्जर को वापस लौटाया

भिवानी : ईमानदारी आज भी जिंदा है। इसकी मिसाल रोडवेज विभाग भिवानी के चालक व परिचालक ने नकदी से भरा थैला वापस लौटाकर दिया है। चालक व परिचालक की इस ईमानदारी की मिसाल के चहुंओर चर्चे जारी है। यह वाक्या हिसार बस अड्डे पर भिवानी डिपो की बस का है। हुंआ यूं कि बवानीखेड़ा निवासी राकेश अपने बच्चों के साथ हिसार के लिए रोडवेज बस में शाम के समय करीब सवा चार बजे रवाना हुए। राकेश अपने परिवार के साथ हिसार बस अड्डे पर उतर लिया। इस दौरान वह अपना पैसों से भरा बैग बस में भूल गया। बस रूकने के बाद चालक नवीन शर्मा व परिचालक आजाद ने बस की एक सीट पर कुछ सामान रखा देखा। उसने सामान उठाकर रोडवेज कर्मचारियों के व्हटसअप ग्रुप में डाल दिया। इसी दौरान बवानीखेड़ा निवासी राकेश ने अपने जानकार रोडवेज कर्मचारी मित्र राकेश के पास बस में सामान रहने की सूचना दी। रोडवेज कर्मचारी राकेश ने अपने रोडवेज कर्मचारियों के व्हटसअप ग्रुप में सामान बस में रहने की सूचना शेयर की तो सामान के बारे में जानकारी मिली। भिवानी बस अड्डा इंचार्ज अजय शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह आपका सामान दे दिया जाएगा। आज सुबह बवानीखेड़ा निवासी राकेश बस अडडार पर पहुंचा और बस अड्डे पर बस चालक नवीन शर्मा व परिचालक आजाद ने सामान की शिनाख्त पूछ कर बवानीखेड़ा निवासी राकेश को सौंप दिया। इस दौरान राकेश ने रोडवेज कर्मचारियों का आभार जताया।

चेतेश्वर पुजारा को संन्यास पर भारतीय क्रिकेटरों ने दी बधाई, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने रविवार को चेतेश्वर पुजारा को भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा पर बधाई दी। पुजारा टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने अपने करियर में 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 206* रहा।

गंभीर ने अपने एक्स पर लिखा, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे, उम्मीदें खत्म होने पर उन्होंने संघर्ष किया। बधाई हो, पुजारी।' चेतेश्वर पुजारा ने 9 अक्टूबर 2010 को बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्हें 2018/19 और 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। उन्होंने अपने मजबूत डिफेंस और तकनीक से ऑस्ट्रेलिया को परेशान किया था।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पुजारा के इस शानदार टेस्ट करियर की सराहना करते हुए कहा, 'शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर पुजारा आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको बहुत गर्व हो सकता है। एक यादगार दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।'

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 'कोई ऐसा व्यक्ति जिसने हमेशा देश के लिए अपना मन, शरीर और आत्मा लगा दी ! एक शानदार करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई, पुजी ! आपसे दूसरी तरफ मिलते हैं !'

2018/18 बीजीटी में भारतीय लाल गेंद के दिग्गज ने चार मैचों में 74.42 की औसत, 3 शतक और एक अर्धशतक के साथ 521 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 193 रन रहा। 2020-21 सीरीज में उन्होंने चार मैचों में 33.87 की औसत से 271 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक और 77 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल था। गाबा में खेले गए अंतिम टेस्ट में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के कई प्रहार झेले, जिससे यह जीत और भी यादगार बन गई।

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'एक शानदार करियर चेतेश्वर पुजारा आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए और आपको दूसरी पारी की हार्दिक शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने पुजारा के शानदार करियर के लिए उन्हें नमन किया। जाफर ने एक पोस्ट में लिखा, 'अपने नाम के पहले, अपनी तरह के आखिरी चेतेश्वर पुजारा, शानदार करियर के लिए नमन। भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए। बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी पुजारा को बधाई दी। रैना ने एक पोस्ट में लिखा, 'शानदार करियर के लिए बधाई भाई चेतेश्वर पुजारा आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा चेतेश्वर पुजारा घरेलू क्रिकेट में एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 278 प्रथम श्रेणी मैचों में 51.82 की औसत से 21301 रन बनाए हैं। लाल गेंद के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 66 शतक और 81 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 352 रन रहा है।

ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने रचा इतिहास, द. अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग साझेदारी की

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में आखिरकार अपनी लय पकड़ ली। ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने सलामी जोड़ी के रूप में 250 रन जोड़कर इतिहास रच दिया।

मार्श और हेड ने मैके में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। ??दोनों ने पहले विकेट के लिए 250 रनों की शानदार साझेदारी की, जो ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड से बस 34 रनों से दूर थी। यह वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से पांचवीं सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है और यह पहली ऐसी साझेदारी है जिसमें डेविड वार्नर शामिल नहीं हैं। 2017 में वार्नर और ट्रैविस हेड ने पाकिस्तान के खिलाफ एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले विकेट के लिए 284 रन बनाए थे।

हेड 103 गेंदों पर 142 रन बनाकर आउट हुए जबकि उनके जोड़ीदार और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श 106 गेंदों पर 100 रन बनाकर आउट हुए। हेड ने अपनी पारी के दौरान 8000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। हेड ने 177 मैचों में 40.73 की औसत और 85.87 के स्ट्राइक रेट से 8024 रन बनाए हैं, जिसमें सभी प्रारूपों में 12 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर, मार्श ने 96 मैचों में 37.03 की औसत से 3000 वनडे रन पूरे किए।

इन दोनों के आउट होने के बाद भी धमाकेदार प्रदर्शन जारी रहा क्योंकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। यह शतक ग्लेन मैक्सवेल द्वारा 2023 विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ 40 गेंदों में बनाए गए शतक के बाद बनाया गया है। ग्रीन ने तिहरे अंक तक पहुंचने के लिए 47 गेंदें लीं। वह ऑस्ट्रेलियाई पारी के अंत तक क्रीज पर नाबाद रहे और उन्होंने सिर्फ 55 गेंदों में छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। विकेटकीपर/बल्लेबाज एलेक्स कैरी के साथ उनकी 164* रनों की साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 का स्कोर बनाया, जो वनडे इतिहास का उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

धोनी ने 2007 के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास क्यों बंद किया, पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं करते थे

और ऐसा उन्होंने 2007 के बाद से करना शुरू किया था। अगस्त 2014 से नवंबर 2021 तक भारत के फील्डिंग कोच रहे आर श्रीधर ने इस बात का खुलासा किया है।

श्रीधर ने बताया, 'एमएस धोनी ने 8 या 9 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं किया। जब वह बड़े हो रहे थे और 2007 या 2005 से पहले उन्होंने अपनी कोई खास पहचान नहीं बनाई थी, तब उन्होंने अपने विकेटकीपिंग कौशल पर काफी काम किया। उनकी अपनी एक बहुत अच्छी तकनीक थी। यह बहुत कारगर थी, और उन्होंने इसका खूब अभ्यास भी किया था।'

इस प्रतिष्ठित कोच ने बताया कि धोनी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है। हालांकि ऐसा नहीं था कि उन्होंने बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया। वह नियमित रूप से प्रतिक्रिया अभ्यास करते थे जिसका मतलब था कि वह हर समय स्टंप के पीछे, खासकर स्पिनरों के सामने, चुस्त-दुरुस्त रहते थे।

श्रीधर ने आगे कहा, 'उन्होंने खुद स्वीकार किया कि एक बार जब उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना शुरू किया, तो काम का बोझ इतना ज्यादा था कि उन्हें ज्यादा अभ्यास करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उनकी उंगलियां चोटिल हो रही थीं। तभी उन्होंने बड़ी ही चतुराई से विकेटकीपर के रूप में अपना काम का बोझ कम कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने कुछ प्रतिक्रिया अभ्यास किए, जिससे वह चुस्त-दुरुस्त रहे और उनके दस्तानों की गति बिजली की तरह तेज़ रही। अभ्यास न करना' सही शब्द नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे कम कर दिया क्योंकि उन्हें पता था कि काम का बोझ बहुत ज्यादा है।'

कूपर कोनोली ने 5 विकेट लेकर तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड, दक्षिण अफ्रीका की करारी हार

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वियान मुल्डर और दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को मैके में हुए अंतिम वनडे में दक्षिण अफ्रीका की बेरहमी से करारी शिकस्त के बाद एक नया निम्नतम स्तर छुआ जबकि ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने नई ऊंचाइयों को छुआ। दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 की अजेय बढ़त गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में मेहमान टीम को कोई रियायत नहीं दी। कप्तान मिशेल मार्श और आक्रामक बल्लेबाज ट्रैविस हेड से दूर रही यह शानदार पारी तीसरे वनडे में लौट आई।

ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। कोनोली ने अपने शानदार 5 विकेटों से दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने अपनी बाएं हाथ की पारंपरिक स्पिन गेंदों से मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया। 22 साल और दो दिन बाद कॉनॉली ऑस्ट्रेलिया के लिए 5 विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने क्रेग मैकडरमॉट का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 1987 में पाकिस्तान के खिलाफ 22 साल 204 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड बनाया था।

कॉनॉली की गेंदबाजी के जादू ने दक्षिण अफ्रीका को झकझोर कर रख दिया और अंततः 276 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे बड़ी हार का अंतर था। कॉनॉली ने 6 ओवरों में 22 रन देकर 5 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया ने सांत्वना जीत का जश्न मनाया।

पहली पारी में मार्श (100) और हेड (142) ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद मैके में तेज धूप खिली। सीरीज का रुख पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में था और इस विस्फोटक जोड़ी ने यह सुनिश्चित किया कि यह साझेदारी बरकरार रहे। सलामी जोड़ी ने 250 रनों की साझेदारी करके आंकड़ा बढ़ाया, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी थी। कैमरून ग्रीन भी इस टीम में शामिल हुए उन्होंने जी-जान से खेला और इस धमाकेदार पारी में अपना योगदान दिया।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ने में मात्र 47 गेंदें लीं। एलेक्स कैरी ने अपनी बाउंड्री लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया और 37 गेंदों में 50* रनों की तेज़ पारी खेली। शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़े और 50 ओवर के प्रारूप में यह ऐसा दूसरा मौका था, इससे पहले 2015 में जोहान्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी विनाशकारी रणनीति अपनाई, मुल्डर आदर्श बल्लेबाज बनकर उभरे। मुल्डर, जिन्होंने पिछले महीने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ब्रायन लारा के 400 रनों के यादगार शतक को न खेलने के अपने फैसले के लिए सुर्खियां बटोरीं, ने अपने सात ओवर के स्पेल में 13.30 की औसत से 93 रन लुटाए। मुल्डर की इकॉनमी उन खिलाड़ियों में दूसरी सबसे खराब है जिन्होंने वनडे में कम से कम छह ओवर फेंके हैं। वह आयरलैंड के केविन ओ%ब्रायन के 13.57 के औसत से पीछे हैं, जो उन्होंने 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हासिल किया था।

राशिद की कप्तानी में एशिया कप में उतरेगी अफगानिस्तान टीम

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अगले माह होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 17सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसकी कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर राशिद खान को दी गयी है। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही 3 खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखा गया है। यूएई में स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए टीम में कप्तान सहित छ स्पिनर रखे गये हैं। टीम में राशिद के अलावा मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद और शराफुद्दीन अशरफ का नाम शामिल है। इसके अलावा रिजर्व खिलाड़ियों में भी एक स्पिनर शामिल है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम इस बार स्पिन गेंदबाजी के बल पर शीर्ष टीमों को टक्कर देना चाहती है।

टीम इस प्रकार है– राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद अहमद मलिक, नवीन उल हक और फजलहक फारूकी

रिजर्व प्लेयर्स : वफीउल्लाह तारखिल, नांग्याल खरोटे और अब्दुल्ला अहमदजई

बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले, रोहित और विराट अभी एकदिवसीय खेलेंगे, दोनो ही अभी पूरी तरह से फिट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे और इनके संन्यास की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं। वह पूरी तरह से गलत हैं। शुक्ला के इस बयान से कोहली और रोहित के संन्यास की अटकलों के भी समाप्त होने की संभावना है। कोहली और रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही नाम वापस ले लिया था। अब इनका लक्ष्य आईसीसी विश्वकप 2027 खेलना है हालांकि ये दोनो चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं, ऐसे में इनके लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। बोर्ड उपाध्यक्ष ने कहा कि रोहित और विराट दोनो ही फिट हैं और ऐसे में ये एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। वहीं प्रशंसक इसलिए परेशान हैं क्योंकि विश्वकप से पहले भारत को कुछ ही एकदिवसीय खेलने हैं। ऐसे में इन दोनो के लिए ही फिटनेस बनाए रखना कठिन होगा। रोहित और विराट के बारे में कोई कुछ भी कहे पर यह अंदाजा हो गया है कि ये अब अधिक समय तक नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरा इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौर हो सकता है। जिसको लेकर प्रशंसक निराश हैं। शुक्ला के बयान से हालांकि प्रशंसकों को कुछ उम्मीद बनी है। शुक्ला ने पूछा, 'इन दोनो ने अभी तक संन्यास नहीं लिया? इसलिए ये दोनो अभी भी एकदिवसीय खेलेंगे, ऐसे में विदाई की बात क्यों की जा रही है। साथ ही कहा कि बोर्ड अभी भी खिलाड़ियों को संन्यास के लिए नहीं कहता।' इस प्रकार के फैसले हम खिलाड़ियों पर ही छोड़ देते हैं।

ऐश्वर्य ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

शिमकेंट (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रविवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। जूनियर पुरुष थ्रीपी स्पर्धा में एड्रियन कर्माकर ने फाइनल में 463.8 के एशियाई जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। तोमर ने 462.5 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेनयू झाओ ने 462 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि जापान के नाओया ओकाडा ने 445.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। तोमर ने इस स्पर्धा में अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतियोगिता के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी। इस 24 साल के निशानेबाज ने नीलिंग पोजीशन में बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन इसे प्रोन पोजीशन में दोहरा नहीं सके। उन्होंने हालांकि स्टैंडिंग दौर में अच्छा प्रदर्शन किया और 1.5 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ प्रतियोगिता के अंतिम चरण में प्रवेश करने के बाद विजेता बने।

इस स्पर्धा में अन्य भारतीय निशानेबाजों में चैन सिंह चौथे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले तोमर, चैन सिंह और श्योराण की भारतीय तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तोमर क्वालिफिकेशन में कुल 584 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। तोमर का यह इसी स्पर्धा में दूसरा एशियाई खिताब था। उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था।

जकार्ता में 2024 सत्र में हालांकि उन्हें श्योराण से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। अनुभवी चैन सिंह 582 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता श्योराण ने 581 अंकों के साथ सातवां क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। चीन के भी तीनों निशानेबाजों ने क्वालीफाई किया, जबकि अन्य दो स्थान क्रमशः जापान और कोरिया को मिले।

भारत टीम स्वर्ण पदक से तीन अंक चूक गई। भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 1747 था जो चीन के कुल स्कोर से तीन अंक कम था। इस बीच ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन दौर में प्रिसिशन चरण के बाद चौथे स्थान पर है। ईशा सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। मनु इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीत चुकी है।

वेदांत वाघमारे जूनियर पुरुषों की 3पी स्पर्धा में 582 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहे, जबकि

एड्रियान 576 के स्कोर के साथ आठवां और आखिरी क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। सामी उल्लाह खान (575), रोहित कान्यान (575), गौरव देसले (569) और हितेश श्रीनिवासन (564) जैसे निशानेबाज क्वालीफाई नहीं कर पाए। वेदांत, एड्रियान और रोहित की तिकड़ी ने कुल 1733 के संयुक्त स्कोर के साथ टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

यूएस ओपन 2025 में खिताब बचाने को तैयार जानिक सिनर

नई दिल्ली। यूएस ओपन 2025 में एक बार फिर सबकी निगाहें इटली के टेनिस स्टार और मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर पर टिकी हुई हैं। पिछले साल खिताब जीतने वाले सिनर इस बार लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। लगातार दो साल तक यूएस ओपन जीतना बेहद मुश्किल काम माना जाता है, लेकिन सिनर इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी के कारण सिनसिनाटी ओपन का फाइनल बीच में छोड़ने वाले सिनर अब पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं और टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उन्होंने अपनी वापसी को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि यह सीजन का आखिरी ग्रैंड स्लैम है और यहां खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। उनका लक्ष्य टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अपनी फिटनेस को उच्च स्तर तक ले जाना है। सिनर से जब पूछा गया कि आखिर यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों है, तो उन्होंने कहा कि यहां दिन और रात के मैचों का बड़ा फर्क पड़ता है। छोटी–छोटी बातें भी खेल के नतीजे को बदल देती हैं और यही कारण है कि यह टूर्नामेंट बेहद कठिन माना जाता है। इतिहास गवाह है कि केवल स्विट्जरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार पांच बार यानी 2004 से 2008 तक यूएस ओपन का खिताब जीता। इस बार भी सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सिनर इस चुनौती को कैसे पार करते हैं। मौजूदा दौर में टेनिस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता जानिक सिनर और स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज के बीच देखने को मिल रही है। पिछले सात ग्रैंड स्लैम खिताब इन दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे हैं। ऐसे में इस साल भी यूएस ओपन का फाइनल इन्हीं दोनों के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सिनर ने अल्काराज के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा पर कहा कि यह खेल और खिलाड़ियों दोनों के लिए अच्छी है। कभी–कभी अभ्यास के दौरान जब थकान महसूस होती है तो आप अपने प्रतिद्वंद्वी से प्रेरणा लेते हैं और यह चीज असली मैच में काम आती है। उन्होंने यह भी माना कि इस समय बड़ी ट्रॉफियां वही और कार्लोस साझा कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हालात बदल सकते हैं क्योंकि टेनिस में कई शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं। सिनर का कहना है कि फाइनल तक पहुंचना हमेशा मुश्किल होता है और इसलिए खिलाड़ियों को लगातार सुधार करना पड़ता है। उनका मानना है कि अब बाकी खिलाड़ी उन्हें और अल्काराज को अच्छी तरह समझने लगे हैं और इसलिए चुनौती और बड़ी हो गई है। हालांकि सिनर आत्मविश्वास से भरे हैं और खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

जब रिंकू को मिला था शाहरुख के साथ चार्टर फ्लाइट में बैठने का अवसर

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें एक बार बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के हवाई यात्रा का अवसर मिला था। रिंकू का केकेआर के सह–मालिक शाहरुख ने इस यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। तब वह पहली बार किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे। रिंकू को तब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। वह स्टैंडबाय सूची में थे। ऐसे में रिंकू को वीजा की औपचारिकताओं के लिए अचानक मुंबई जाना था और तब शाहरुख के साथ उन्हें जाने का अवसर मिला था। रिंकू शुरु में जाने से झिझक रहे थे पर बाद में उन्होंने शाहरुख का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रिंकू ने कहा कि शाहरुख ने यात्रा के दौरान उनका बहुत हौसला भी बढ़ाया। रिंकू ने शाहरुख को लेकर कहा, वह बड़े दिल वाले इंसान हैं। वह हमेशा सभी से गले मिलते हैं। वह सबसे अच्छे से मिलते हैं, फिर चाहे सीनियर हो या जूनियर। मुझे लगता है कि यही बातें उन्हें एक अच्छा इंसान बनाती है। तब मेरा विश्वकप के लिए मुख्य दल में चयन नहीं हुआ था। मैं स्टैंडबाय में था। टीम चली गई थी थी। तभी मुझे वीजा के लिए जाना पड़ा। ऐसे में शाहरुख सहायता के लिए आगे आये।

मीराबाई की वापसी, भारतीय भारोत्तोलकों की नजरें राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पदक जुटाने पर

अहमदाबाद (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक साल के अंतराल के बाद सोमवार को प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में वापसी करेंगी और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में घरेलू चुनौती की अगुवाई करेंगी जिसमें भारतीय भारोत्तोलकों से पदकों की झड़ी लगाने की उम्मीद है।

हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक में खेली थीं जिसमें वह एक किलोग्राम से पोडियम स्थान से चूक गई थीं। इकतीस वर्षीय मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है।

वजन को नियंत्रित करना एक चुनौती होगी और चानू ने खुद इसे स्वीकार किया है। लेकिन इस दृढ़ निश्चयी मणिपुरी खिलाड़ी ने यह चुनौती स्वीकार कर ली है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर काम करते हुए वह अपनी तकनीक को भी निखार रही हैं ताकि स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचने की तैयारी में जुटी चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं झोंकेंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है।

उन्होंने कहा, 'मैं अहमदाबाद में पूरी ताकत नहीं लगा रही हूं क्योंकि मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है।' चानू भले ही मुख्य आकर्षण बनी हुई हैं लेकिन भारत के दल के लगभग हर भार वर्ग में पोडियम पर पहुंचने की उम्मीद है।

राष्ट्रमंडल प्रतियोगिताएं (राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप) लंबे समय से भारतीय भारोत्तोलकों के लिए एक शानदार जगह रही हैं जिन्हें चीन और उत्तर कोरिया जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति का फायदा मिलता है। जब भारत ने पिछली बार 2023 में चैंपियनशिप की मेजबानी की थी तो घरेलू टीम ने 20 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार भी रजत विजेता बिंदियारानी देवी और कांस्य पदक विजेता हरजिंदर कौर और लवप्रीत सिंह सहित कई राष्ट्रमंडल पदक विजेता भारत की पदक तालिका में इजाफा करना चाहेंगे।

भारतीय टीम

महिला : मीराबाई चानू (48 किग्रा), स्नेहा सोरेन (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), सेराम निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), हरमनप्रीत कौर (77 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा~), महक शर्मा (+86 किग्रा) पुरुष~ चनंबम ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा); एम राजा (65 किग्रा); नारायण अजित (71 किग्रा), वल्लूरी अजय बाबू (79 किग्रा), अजय सिंह (88 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), हरचरण सिंह (110 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)।

टीम चयन में मेरी भूमिका नहीं रही : पीसीब अध्यक्ष

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने का फैसला चयनसमिति का था और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। नकवी ने ये बात टीम चयन को लेकर उठे विवाद को लेकर कही है। कई लोगों ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इसल को लेकर पीबीबी प्रमुख का बयान आया है। नकवी ने इस मामले की जिम्मेदारी चयनसमिति पर डाल दी है। नकवी ने कहा, ऋसबसे पहले मेरी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने या बाहर करने में मेरी एक फीसदी भूमिका नहीं है। हमारे पास एक चयन समिति और फिर एक सलाहकार इकाई है। वे सभी मिलकर टीम तय करते हैं। चयन की यह प्रक्रिया काफी चीजों से होकर गुजरती है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चुने जाने से पहले 8 से 10 घंटे की चर्चा होती है. कभी–कभी तो 2–3 दिनों तक भी ये चलता है।

बकैती में मां बन छाईं शीबा चड्ढा, बोलीं- चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने का इंतजार है

अभिनेत्री शीबा चड्ढा इन दिनों वेब सीरीज बकैती में सुषमा कटारिया के किरदार को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने अब तक के करियर में कई यादगार किरदार किए हैं, लेकिन अब वह ऐसे रोल करना चाहती हैं जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर और चुनौती दे। सीरीज में शीबा का किरदार मां का है, जो पूरे परिवार को एकजुट रखती है। उनके अभिनय में हमेशा की तरह एक गहराई है, जो बिना ज्यादा दिखावे के अपना असर छोड़ जाती है। हालांकि शीबा को मां जैसे किरदारों में काफी सराहना भी मिली है, लेकिन वो अब कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करना चाहती हैं। उनका कहना है, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, मेरे लिए ये एक आशीर्वाद की तरह है। लेकिन, मैं चाहती हूं कि अब मुझे अलग तरह की कहानियां और किरदार निभाने का मौका मिले, जो सिर्फ मां के किरदार तक सीमित नहीं हो, बल्कि और भी कुछ अलग और दमदार हो।

सीरीज की बात करें, तो इसमें जब नैना (तन्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है, तो चीजें और उलझ जाती हैं। लेकिन, जब हालात एक बड़ा मोड़ लेते हैं और परिवार की शांति खतरे में पड़ जाती है, तब शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। इस सीरीज में अभिनेत्री कटारिया परिवार की मां की भूमिका निभा रही हैं। यह सीरीज पुराने गाजियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार की कहानी है, जिसमें दर्शकों को रोजमर्रा की छोटी-बड़ी परेशानियां, भाई-बहनों की नोकझोंक और प्यार भरे लम्हों को बेहद सच्चाई से दिखाया गया है। अमीत गुप्ता के निर्देशन में बनी इस सीरीज में राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, और आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, इसमें केशव साधना, रमेश राय, पूनम जांगड़ा, शाश्वत चतुर्वेदी, और परविंदर जीत सिंह जैसे कलाकार भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

जानती हूं ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ती है

श्रुति हासन इन दिनों कूली को लेकर चर्चा में हैं। रजनीकांत स्टारर में वह प्रीति राजशेखर के किरदार में हैं। एक्ट्रेस और म्यूजिशियन श्रुति उन कलाकारों में हैं, जिनकी खूबसूरती के सब मुरीद हैं। साउथ की फिल्मों में उनका खूब दबदबा है, हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर बहुत ऊंचाइयां नहीं छू सका। जब बात श्रुति की सुंदरता की आती है तो चर्चा प्लास्टिक सर्जरी की भी होने लगती है। वह ऐसी अदाकारा हैं, जिन्होंने खुलकर यह स्वीकार किया है कि उन्होंने अपने रूप को निखारने के लिए सर्जरी की सहायता ली है। अब एक नए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इस पर खुलकर बात की है। यह भी कहा है कि कैसे सोशल मीडिया पर लोग उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की दुकान कहते हैं। बातचीत में श्रुति ने कहा, जब मैंने अपनी बात रखी, तो मुझे कई तरह के ताने मिले। ये भी सुनने को मिला कि ओह, ये तो प्लास्टिक सर्जरी की दुकान है, लेकिन मुझे पता है कि मैंने क्या है और कितना किया है। मुझे यह भी पता है कि दूसरों ने कितना करवाया है। मुझे लगता है कि ईमानदारी की यही कीमत चुकानी पड़ती है। ठीक है। मैं इसका कभी प्रचार भी नहीं करती। लेकिन यह मेरी पसंद है।

असलियत बताने पर हमेशा उठती हैं उंगलियां

कमल हासन की बेटी श्रुति हासन ने इस बात पर जोर दिया प्लास्टिक सर्जरी का उनका फैसला बेहद निजी है और यह दूसरों को प्रभावित करने के लिए बिल्कुल नहीं हैं। वह आगे कहती हैं, मैं अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हूं, बाहरी फैसलों और बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। प्यार में, जिंदगी में, काम में, सच बोलने या किसी बात की असलियत बताने पर हमेशा आप पर उंगलियां उठेंगी।

साउथ के सितारे बॉलीवुड वालों से अधिक विनम

इसी इंटरव्यू में श्रुति ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के सितारों की तुलना भी की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि साउथ के सितारे अधिक विनम्र होते हैं। रमैया वस्तावैया, लक और बहन होगी तेरी जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी श्रुति ने कहा, मेरे हिसाब से यह साउथ इंडियन चीज है। यहां बड़े-बड़े सितारे विनम्रता को लेकर बहुत सचेत रहते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो सरस्वती का आशीर्वाद उनके सिर से उठ जाएगा। यही कारण है कि सेट पर और निजी जीवन में भी ये सितारे सादगी पसंद करते हैं। चमक-दमक से दूर रहते हैं।

महिला किरदारों में आए बदलाव पर बोलीं प्रिया बापट

3एक समय था जब फिल्मों में महिला किरदारों को सीमित दायरे में दिखाया जाता था, किसी की पत्नी, मां या प्रेमिका के किरदारों में। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। फिल्मों के साथ-साथ अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भी महिला कलाकारों को दमदार भूमिकाओं में दिखा रहे हैं। साथ ही उन्हें अपने अभिनय का असली हुनर दिखाने का मंच भी दे रहे हैं। इसी बदलाव की एक शानदार मिसाल हैं अभिनेत्री प्रिया बापट, जो अपने नए शो अंधेरा के जरिए एक बार फिर चर्चा में हैं। प्रिया का मानना है कि ओटीटी पर उन्हें वह आजादी और चुनौती मिली है, जिसकी एक कलाकार को हमेशा तलाश होती है। महिला किरदारों में आए बदलाव को लेकर भी उन्होंने अपनी राय रखी और कहा कि अब पर्दे पर सिर्फ ग्लैमर नहीं होता, महिला किरदारों में गहराई भी होती है। प्रिया ने कहा, ओटीटी एक ऐसी जगह है जहां आपको किरदार की गहराई को समझने और निभाने का पूरा मौका दिया जाता है। अंधेरा एक साइकोलॉजिकल-हॉरर थ्रिलर है, जिसमें प्रिया एक पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर कल्पना कदम की भूमिका में नजर आ रही हैं। ओटीटी को लेकर प्रिया का कहना है, ओटीटी पर महिलाओं के लिए अच्छे और मजबूत किरदार लिखे जा रहे हैं। अब सिर्फ ग्लैमर नहीं, किरदारों में गहराई भी होती है। अब महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाई जा रही हैं। यह एक ऐसा मंच है, जहां कलाकारों को कुछ नया करने की आजादी मिलती है और दर्शकों के सामने अलग-अलग कहानियों के विकल्प भी होते हैं।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, वे एक्टर नहीं बल्कि एक निर्देशक के रूप में इस सीरीज से डेब्यू करने जा रहे हैं। किंग खान के फैंस इसका इंतजार काफी दिनों से कर रहे थे। इस सीरीज में फेमस बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद एक पोस्ट शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर दी है। इसे शेयर करते हुए बॉबी देओल ने लिखा, परदा गिरने का इंतजार कर रहे हो? ये शो परदा फाड़कर आ रहा है। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा है। इस शो में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे।

'कुली' के बाद नागार्जुन ने किया अपनी 100वीं फिल्म का एलान

रजनीकांत की हालिया रिलीज फिल्म 'कुली' में सुपरस्टार नागार्जुन साइमन के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म में अपने नेगेटिव किरदार को लेकर नागार्जुन को काफी तारीफें मिली हैं और लोगों को उनका कैरेक्टर काफी पसंद भी आया है। अब 'कुली' के सिनेमाघरों में रिलीज होते ही नागार्जुन ने अपनी अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। ये उनकी 100वीं फिल्म भी होगी। जिसके बाद फैंस उन्हें नई भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं।

तमिल निर्देशक कार्तिक करेंगे 100वीं फिल्म का निर्देशन

जगपति बाबू के होस्टिंग वाले जी5 के चैट शो जयम्मु निश्चयमु रा में बातचीत के दौरान नागार्जुन ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की और इसको लेकर जानकारी साझा की है। नागार्जुन ने बताया कि उनकी 100वीं फिल्म तमिल निर्देशक कार्तिक द्वारा निर्देशित होगी, जिसका टाइटल फिलहाल अभी के लिए किंग 100 है। बातचीत के दौरान नागार्जुन ने बताया कि मेरी अगली रिलीज किंग 100 होगी। इसकी तैयारी पिछले 6-7 महीनों से चल रही है। तमिल निर्देशक कार्तिक ने मुझे एक साल पहले इसकी स्क्रिप्ट सुनाई थी। यह एक शानदार फिल्म है और हम कुली के बाद अब इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। यह एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा फिल्म है। नागार्जुन 'कुली' में एक विलेन के किरदार में हैं। जबकि इससे पिछले फिल्म 'कुबेर' में भी वो पहले विलेन के साथी होते हैं। हालांकि, बाद में उनका कैरेक्टर सुधर जाता है। अब अपनी 100वीं फिल्म को नागार्जुन ने कहा कि इस बार मैं फिल्म में हीरो हूं। वहीं अगर निर्देशक कार्तिक की बात करें तो वो इससे पहले अशोक सेलवन स्टारर निथम ओरु वनम का निर्देशन भी कर चुके हैं।

'कुली' में पसंद किया गया नागार्जुन का रोल

नागार्जुन की आखिरी रिलीज फिल्म 'कुली' है, जिसमें वो रजनीकांत, सौबेन शाहिर, उपेंद्र कुमार, आमिर खान और श्रुति हासन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म में साइमन के नेगेटिव रोल में नजर आए नागार्जुन की स्टाइल और स्वैग को काफी पसंद किया गया है। हालांकि, 14 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है।

हां, मैं एजेंडा वाली फिल्में बनाता हूं...

फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकरफिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री इन दिनों फिर विवाद में हैं। इस मूवी का ट्रेलर आया तो बवाल मच गया। लॉन्च इवेंट के दिन ही कोलकाता के होटल में कुछ लोगों ने हंगामा किया। हाल ही में इस विवाद पर खुलकर बात की

बीते दिनों कोलकाता में प्रशासन ने द बंगाल फाइल्स के ट्रेलर लॉन्च पर रोक लगा दी। यह फिल्म साल 1946 में हुए कोलकाता दंगों पर आधारित है। फिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री के मुताबिक, उन्हें स्थानीय प्रशासन की ओर से यह भी नहीं बताया गया कि आखिर वह ट्रेलर लॉन्च क्यों रोक रहे हैं जबकि ट्रेलर को सेंसर बोर्ड की हरी झंडी मिली हुई है।

मैं एक फिल्ममेकर हूं, देश का प्रधानमंत्री नहीं हूं

अपनी टीम के साथ दिल्ली आए विवेक अग्निहोत्री से जब पूछा गया कि वह द कश्मीर फाइल्स, द बंगाल फाइल्स बना चुके हैं। तो क्या वह आने वाले दिनों में गुजरात, मुजफ्फरनगर और मेरठ दंगों पर भी फिल्म बनाएंगे? इस सवाल के जवाब में विवेक ने तल्ख अंदाज में कहा, मैं उनका शुक्रगुजार हूं जो मुझसे ये उम्मीद करते हैं कि मैं इन पर भी फिल्में बनाऊं। मैं एक फिल्ममेकर हूं, देश का प्रधानमंत्री नहीं हूं। मैं इसका शुक्रगुजार हूं कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री में 200 से 300 फिल्म डायरेक्टर्स हैं और आपने सोचा कि मैं ही इतना काबिल हूं कि पूरे भारत में जो कुछ दंगे फसाद होते हैं, उन पर मैं फिल्में बना सकता हूं। हालांकि उन्होंने ये साफ नहीं किया कि वह इन विषयों पर फिल्म बनाएंगे या नहीं।

मैं हिंदू सिविलाइजेशन पर फिल्में बनाता हूं

क्या विवेक अग्निहोत्री एक खास मकसद से फिल्म बनाते हैं? डायरेक्टर ने कहा, जी हां, मेरा ये मकसद है और मैं ये खुलेआम कहता हूं कि मेरा एक एजेंडा है और मैंने ये बात कभी छुपाई भी नहीं है। मैं बतौर फिल्ममेकर भारत की वह कहानियां, जिनमें सच को दबाया गया, जैसे लोगों को ताशकंद फाइल्स या कश्मीर फाइल्स में हमने बताया। हमने दोनों ही फिल्म में क्या सही है, क्या गलत है, ये नहीं कहा। लेकिन मेरा मकसद साफ है कि मैं हिंदू सिविलाइजेशन पर फिल्में बनाता हूं, इसलिए हिंदुओं का जो इतिहास है, मैं उसपर फिल्म बनाता हूं। मैं खुद को इस काबिल नहीं समझता हूं कि इस्लामिक या क्रिश्चियन इतिहास पर फिल्म बनाऊं।

कला का काम है सकारात्मकता दिखाए

जब उनसे पूछा गया कि आपने द कश्मीर फाइल्स बनाई और अब द बंगाल फाइल्स। क्या आपको लगता है कि ये नैरेटिव वॉर का हिस्सा है और आर्ट के जरिए लोगों की सोच को बदला जा रहा है। तो उन्होंने कहा, कला का काम होता है कि जो हमारा समाज, राजनीति और संस्कृति है, उसको दर्शाए और एक सकारात्मकता दिखाए जो आमतौर पर कोई दिखा नहीं सकता है। आज हम जो दिखा रहे हैं, उसके बारे कितने ही लोगों को पता है। मैं कोलकाता में था, तो मैंने वहां लोगों से पूछा कि जो भारत का विभाजन हुआ, उसकी रणभूमि कौन सी थी, लोग कहते हैं पंजाब क्योंकि उन्होंने गदर फिल्म में देखा था। मगर हमारी फिल्म के बाद लोग डायरेक्ट एक्शन के बारे में बात कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।